PREVIEW QUESTION BANK(Dual)

Module Name : Commerce
Exam Date : 13-Jun-2023 Batch : 09:00-12:00

Sr. No.	Client Question ID	Question Body and Alternatives	Marks	Negativ Marks
Objective Question				
101	908101	In case of presence of outliers in a data set, which of the following can better measure the central tendency ? A. Mode B. Trimmed Mean C. Arithmetic Mean D. Median E. Harmonic Mean Choose the correct answer from the options given below: 1. A and B only 2. B and C only 3. C and E only 4. B and D only किसी आकंडा समुच्चय में बहिर्वर्तियों की विद्यमानता की स्थिति में निम्नलिखित में से कौन केन्द्रीय प्रवृत्ति का मापन ठीक से कर सकता है? A. बहुलक B. ट्रिम्ड (सुव्यवस्थित) माध्य C. अंकगणितीय माध्य D. माध्यिका E. हरात्मक माध्य नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए : 1. केवल A, B 2. केवल B, C 3. केवल C, E 4. केवल B, D A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4	2.0	0.00
Objective Question				
102	908102		2.0	0.00

		To remove 'order bias' in a questionnaire, usually researcher use which of the following : A. Pivot questions B. Multiple grid questions C. Funnel technique D. Filter questions E. Leading questions Choose the most appropriate answer from the options given below: 1. B, E and A only 2. D, E and B only 3. E, B and C only 4. C, D and A only किसी प्रश्नावली से 'आर्डर बाएस' को दूर करने हेतु शोधकर्ता निम्नलिखित में से सामान्यत: किसका प्रयोग करता है? A. केन्द्रीय प्रश्न B. बहुविषयक ग्रिड प्रश्न C. वातायन प्रविधि D. फिल्टर प्रश्न E. संकेतक प्रश्न नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए : 1. केवल A, E, A 2. केवल D, E, B 3. केवल E, B, C 4. केवल C, D, A A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4		
Objective Question				
103	908103	Which of the following are skills and capabilities related competencies? A. Analysis B. Intellectual curiosity C. Organization D. Problem solving E. Ownership of assignments Choose the most appropriate answer from the options given below: 1. A, C and D only 2. A, B and C only 3. B, C and D only 4. A, D and E only	2.0	0.00

		सक्षमताओं से संबंधित कौशल एवं सामर्थ्य निम्नलिखित्त में से कौन से हैं? A. विश्लेषण B. बौद्धिक जिज्ञासा C. संगठन D. समस्या-समाधान E. कार्यभार ग्रहण करना नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए : 1. केवल A, C, D 2. केवल A, B, C 3. केवल B, C, D 4. केवल A, D, E A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4		
Objective Question				
104	908104	Which of the following are the disadvantages of straight salary sales compensation plan? A. Sales volume is emphasized over profits B. Sales representative may overstock the customer C. Low motivational impact D. Difficult to attract or retain top sales performers E. Sales representatives may focus on products that require least effort to sell Choose the most appropriate answer from the options given below: 1. C, D and E only 2. A, B and C only 3. B, D and E only 4. A, C and D only	2.0	0.00

		सीधे वेतन आधारित बिक्री प्रतिकर योजना की हानियाँ निम्नलिखित में से कौन सी हैं? A. बिक्री की मित्रा पर लाभ से अधिक बल दिया जाता है B. बिक्री-प्रतिनिधि ग्राहकों को अति संचय करवा सकता है C. अभिप्रेरण प्रभाव कम होता है D. शीर्ष बिक्री कर्ताओं को आकर्षित करना या बनाए रखना कठिन होता है E. बिक्री-प्रतिनिधि उस उत्पाद पर ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं जिसके विक्रय में कम प्रयास करना पड़े नीचे दिए गए विकल्पों में से <u>सबसे उपयुक्त उत्तर</u> का चयन कीजिए : 1. केवल C, D, E 2. केवल A, B, C 3. केवल B, D, E 4. केवल A, C, D A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4		
Objective Question				
105	908105	Which of the interventions can be used to manage the anxiety created by mergers and acquisitions A. Speed-up of the integration process B. Articulate a new vision, common goals and organizational symbols C. Employee counselling and stress management training D. Disengage efforts such as termination ceremonies E. Social support from spouse, friends, supervisors and coworkers Choose the most appropriate answer from the options given below: 1. A, B and C only 2. B, C and D only 3. A, C and E only 4. A, B and E only	2.0	0.00

		विलय एवं अधिग्रहण द्वारा उत्पन्न दुश्चिंता के निराकरण हेतु निम्नलिखित में से किन हस्तक्षेपों का प्रयोग किया जा सकता है? A. एकीकरण प्रक्रिया को तेज करना B. नवीन दृष्टि, समान लक्ष्य और संगठित प्रतीकों को सुस्पष्ट करना C. कर्मचारियों को परामर्श एवं प्रतिबल प्रबन्धन प्रशिक्षण देना D. सेवा समापन समारोह जैसे कार्यों को बंद करना E. पति / पत्नी, मित्रों, पर्यवेक्षकों एवं सहकर्मियों द्वारा सामाजिक सहायता देना नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए : 1. केवल A, B, C 2. केवल B, C, D 3. केवल A, C, E 4. केवल A, B, E A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4		
Objective Question				
106	908106	Which is the legal framework governing the Regional Rural Banks (RRBs) A. Regional Rural Banks Act, 1976 B. Regional Rural Banks Act, 1966 C. Small Industries Development Bank of India, 1989 D. Banking Regulations Act, 1949 E. Indian Partnership Act, 1932 Choose the correct answer from the options given below: 1. A and D only 2. B and D only 3. A and C only 4. B and E only	2.0	0.00

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आर आर बी) के अभिशासन हेतु वैधानिक / विधिक रूपरेखा कौन से हैं?

A. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976
B. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1966
C. भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक अधिनियम, 1989
D. बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949
E. भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A और D
2. केवल B और D
3. केवल A और C
4. केवल B और E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

107	908107	Which are the RBI notified domestic accredited credit rating agencies? A. Brickwork ratings B. Acvite ratings C. CRISIL ratings D. Standard and Poor's E. Moody's Choose the correct answer from the options given below: 1. B and C only 2. C and D only 3. A and C only 4. C and E only	2.0	0.00

निम्नलिखित में से कौन आर बी आई द्वारा अधिसूचना घरेलू प्रत्यार्पित साख दर निर्धारण अभिकरण हैं?

A. ब्रिकवर्क रेटिंग्स
B. सक्रीय दर निर्धारण (रेटिंग)
C. सी आर आई एस आई एल रेटिंग्स
D. स्टैंडर्ड एंड पुअर्स
E. मूडीज

नीचे दिए गए विकल्पों में से <u>सही उत्तर</u> का चयन कीजिए :

1. केवल B और C
2. केवल C और D
3. केवल A और C
4. केवल C और E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

108	908108	In the context of banking sector, spread is defined as a function of the following : A. Forex B. Net Interest income C. Rate Sensitive Assets D. Asset Ratio E. Leverage Ratio Choose the correct answer from the options given below: 1. C and E only 2. A and C only 3. B and D only 4. B and E only	2.0	0.00

		बैंकिंग क्षेत्र के सन्दर्भ मने स्प्रेड को निम्नलिखित में किन कार्यकलाओं के रूप में परिभाषित किया गया है? A. फोरेक्स B. निवल ब्याज आय C. दर संवेदी परिसंपत्ति D. परिसंपत्ति अनुपात E. उत्तोलन अनुपात नीचे दिए गए विकल्पों में से <u>सही उत्तर</u> का चयन कीजिए : 1. केवल C और E 2. केवल A और C 3. केवल B और D 4. केवल B और E A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4		
Objective Question				
109	908109	Which of the following are the reasons for manufacturers and retailers to brand their offerings? A. Helps to gauge the level of product quality B. Enables premium pricing C. Contributes to corporate identity programmes D. Informs about the source of a product E. Develops customer loyalty. Choose the most appropriate answer from the options given below: 1. A, B, C and E only 2. B, C and E only 3. A, B, C and D only 4. A, D and E only	2.0	0.00

		निर्माताओं एवं खुदरा व्यापारियों के लिए अपनी पेशकश को ब्रैंड करने के कारण निम्नलिखित में से कौन से हैं? A. उत्पाद की गुणवत्ता के स्तर को मापने में सहायक होता है B. प्रीमियम कीमत निर्धारण में समर्थ बनाता है C. कार्पोरेट पहचान कार्यक्रमों में सहायक होता है D. किसी उत्पाद के स्रोत के सन्दर्भ में सूचना प्रदान करता है E. ग्राहक की निष्ठा को विकसित करता है नीचे दिए गए विकल्पों में से <u>सबसे उपयुक्त उत्तर</u> का चयन कीजिए : 1. केवल A, B,C, E 2. केवल B, C, E 3. केवल A, B, C, D 4. केवल A, D, E A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4		
Objective Question				
110	908110	Which of the following are the tools for consumer promotions? A. Price off B. Refunds C. Coupons D. Event sponsorship E. Off-invoice Choose the correct answer from the options given below: 1. A, B and C only 2. B, C, D and E 3. A, D and E only 4. B, C and D only उपभोक्ता-प्रचार हेतु साधन निम्नलिखित में से कौन से हैं? A. प्राइस ऑफ़ B. रिफंड C. कूपन D. इवेंट स्पांसरशिप E. ऑफ़- इन्वायस नीचे दिए गए विकल्पों में से <u>सबसे उपयुक्त उत्तर</u> का चयन कीजिए : 1. केवल A, B, C 2. केवल B, C, D, E 3. केवल A, D, E 4. केवल B, C, D	2.0	0.00

		A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4		
Objective Question				
111	908111	An agent is personally liable to third parties in which of the following situations? A. If an agent acts for an undisclosed Principal B. Trade usage and customs makes agent personally liable C. If an agent signs a contract in Principal's name D. If an agent acts for the named Principal E. If an agent works for a foreign Principal. Choose the correct answer from the options given below: 1. A, B and C only 2. A, B and E only 3. C, D and E only 4. B, C and D only निम्नलिखित किन परिस्थितियों / दशाओं में कोई एजेंट (अभिकर्ता) तीसरे पक्ष के प्रति व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होता है? A. यदि कोई गुप्त (अप्रकट) नियोक्ता के लिए कार्य करता है B. व्यापार- व्यवहार एवं संबंधित प्रथाएं एजेंट को व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी बनाती हैं। C. यदि कोई एजेंट नियोक्ता के नाम से संविदा पर हस्ताक्षर करता है। D. यदि कोई एजेंट नामित नियोक्ता के लिए कार्य करता है। E. यदि कोई एजेंट विदेशी नियोक्ता के लिए कार्य करता है। नीचे दिए गए विकल्पों में से <u>सही उत्तर</u> का चयन कीजिए : 1. केवल A, B और C 2. केवल A, B और E 3. केवल C, D और E 4. केवल B, C और D A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4	2.0	0.00
Objective Question				
112	908112		2.0	0.00

If the application for information is rejected under the Right to Information Act 2005, the CPIO/SPIO is obligated which of the following to furnish the person seeking the information?

A. Power and functions of information commission
B. Reasons for such rejection
C. Obligation of public authorities
D. The particulars of the appellant authority
E. The period within which an appeal against such rejection may be preferred

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B and C only
2. B, C and D only
3. A, C and E only
4. B, D and E only

यदि सूचना के अधिकार 2005 के अंतर्गत सूचना प्राप्त करने संबंधी आवेदन को अस्वीकार कर दिया जाता है, तो CPIO / SPIO का सूचना (जानकारी) प्राप्त करने वाले व्यक्ति के लिए निम्नलिखित क्या-क्या प्रस्तुत करने का विधानिक कर्तव्य है?

A. सूचना आयुक्त की शक्तियाँ एवं कार्य|
B. आवेदन अस्वीकार करने का कारण|
C. लोक-प्राधिकारियों के वैधानिक कर्तव्य|
D. अपीलकर्ता प्राधिकारी संबंधी विवरण
E. इस प्रकार के अस्वीकरण के विरुद्ध अपील करें हेतु वरीय अवधि

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, Bऔर C
2. केवल B, C और D
3. केवल A, C और E
4. केवल B, D और E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

113	908113		2.0	0.00

The Competition (Amendment) Act, 2023 revamped the competition Act in which of the following perspectives :

A. The CCI needs to be intimated if the value of merger and acquisition deal exceeds Rs. 2000 crores
B. The overall timeline for assessment of combination has been reduced to 150 days from 210 days
C. "Exclusive selling agreements" has been replaced with "exclusive dealing agreement"
D. Entities who are not engaged in identical or similar trade shall also be part of an Anti-competitive Agreement under Section 3(3) of the Act
E. Anti-competitive conduct like "tie-up arrangements" "re-sale price maintenance" and "exclusive distribution agreement" have been redefined.

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B and C only
2. C and E only
3. A, B, C and D only
4. A, B, C, D and E

निम्नलिखित किन संदर्भों में प्रतिस्पर्धा (संशोधन) अधिनियम 2023 ने प्रतिस्पर्धा अधिनियम में नया संशोधन किया था?

A. विलय अथवा अधिग्रहण की राशि यदि 2000 करोड़ रुपए से अधिक की है तो सी सी आई को सूचित किया जाने की आवश्यकता होगी|
B. संयोजन के मूल्य के निर्धारण हेतु समग्र समय सीमा को 210 दिनों से घटाकर 150 दिन कर दिया गया है|
C. 'अनन्य विक्रय करार' को 'अनन्य सौदेबाजी करार' से प्रतिस्थापित किया गया है|
D. वे प्रतिष्ठान जो कि समरूप अथवा समान व्यापार में संलग्न नहीं हैं, वे भी अधिनियम की धारा 3 (3) के अंतर्गत प्रतिस्पर्धा विरोधी करार के भाग माने जायेंगे |
E. 'टाई-अप करारों' पुनर्विक्री मूल्य अनुरक्षण और 'अनन्य विवरण करार' जैसे प्रतिस्पर्धा विरोधी आचरण को पुनर्परिभाषित किया गया है|

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B और C
2. केवल C और E
3. केवल A, B, C और D
4. केवल A, B, C, D और E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

114	908114		2.0	0.00

Which are the appropriate tax planning perspectives in case of shut down or continue decision under Income Tax Act, 1961?

A. Business loss and unabsorbed depreciation can be carry forward and set off against profit and gain.
B. The loss making company and profit making company may merge to avail the tax benefit
C. Tax benefit of deduction u/s 33 AB and 115 VT may be withdrawn and liable to tax for the year in which business is discontinued.
D. The condition of section 80 IB / 80 IC of the Act, a deduction is allowed to such undertaking
E. If a person has more than one business, the loss making business may not be discontinued.

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. A, C and D only
2. B, D and E only
3. C, D and E only
4. A, C and E only

आय कर अधिनियम 1961 के अंतर्गत बंद होने या जारी रखने का निर्णय के मामले में उपयुक्त कर योजना दृष्टिकोण योजना कौन से हैं?

A. व्यावसायिक हानि और गैर-समायोजित ह्रास को अग्रसारित किया जाता है और लाभ तथा हानि के साथ समायोजित किया जा सकता है|
B. हानिग्रस्त कंपनी और लाभकारी कंपनी का कर लाभ प्राप्त करने हेतु एक साथ विलय किया जाता सकता है|
C. व्यवसाय बंद किया जाता है जिस वर्ष में उस वर्ष के लिए 33 AB और 115VT धारा के अंतर्गत कटौती का लाभ वापस लिया जा सकता है उसे कर योग्य माना जा सकता है|
D. अधिनियम की धारा 80 IB / 80IC शर्त के अंतर्गत ऐसे उपक्रम को कटौती स्वीकृत की जाती है|
E. एक व्यक्ति के पास एक से अधिक व्यवसाय है तो हानि जनित व्यवसाय को बंद नहीं किया जा सकता है|

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A, B, C
2. केवल B, D, F
3. केवल C, D, F
4. केवल A, C, E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

115	908115		2.0	0.00

Which of the following are correct for Agricultural Income ?

A. Income from self grown grass, trees, bamboo
B. Rent and Rates derived from land
C. Income from making the produce fit for marketing
D. Income from land used for storing agriculture produce
E. Income from farmhouse

Choose the correct answer from the options given below:

1. B, C and E only
2. B, D and E only
3. A, C and D only
4. C, D and E only

कृषि आय के लिए कौन-सा सही है?

A. स्वयं द्वारा उगाये गए घास वृक्ष और बांस से आय
B. भूमि से व्युत्पन्न किराया व आय
C. बाजार के अनुकूल उत्पाद बनाने से आय
D. कृषि उत्पाद के भंडारण हेतु प्रयुक्त भूमि से आय
E. फ़ार्म हाउस से आय

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल B, C, E
2. केवल B, D, E
3. केवल A, C, D
4. केवल C, D, E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

116 | 908116 | 2.0 | 0.00

Match List I with List II

LIST I (A.T. Kearney Globalization Index)		LIST II (Variables)	
A.	Economic Integration	I.	International Tourism and Travel
B.	Personal Integration	II.	Internet users
C.	Technological Integration	III.	Foreign Direct Investment
D.	Political Integration	IV.	Ratification and multilateral treaties

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-IV, B-III, C-II, D-I
2. A-III, B-I, C-II, D-IV
3. A-III, B-II, C-I, D-IV
4. A-IV, B-I, C-II, D-III

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I ए टी कर्णी वैश्वीकरण सूचकांक		सूची II चर	
A.	आर्थिक एकीकरण	I.	अन्तर्राष्ट्रीय टूरिज्म एवं ट्रेवल
B.	निजी (व्यक्तिगत) एकीकरण	II.	इंटरनेट प्रयोक्ता
C.	प्रौद्योगिकीय एकीकरण	III.	विदेशी प्रत्यक्ष निवेश
D.	राजनीतिक एकीकरण	IV.	बहुपक्षीय संधियों का अनुसमर्थन

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-IV, B-III, C-II, D-I
2. A-III, B-I, C-II, D-IV
3. A-III, B-II, C-I, D-IV
4. A-IV, B-I, C-II, D-III

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

117 908117

Match List I with List II

LIST I (Accounting Concepts)		LIST II (Purpose/Applicability)	
A.	Going Concern Concept	I.	The same accounting method used by a firm from one period to another
B.	Consistency	II.	Relate to the relative size or importance of an item or event
C.	Cost concept	III.	An inappropriate assumption for firm undergoing bankruptcy
D.	Materiality	IV.	The normal basis used to account for assets

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-II, B-III, C-IV, D-I
2. A-I, B-II, C-III, D-IV
3. A-I, B-II, C-IV, D-III
4. A-III, B-I, C-IV, D-II

2.0 0.00

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I अवधारणा		सूची II उद्देश्य/ प्रयोग	
A.	सतत चालित व्यापार अवधारण	I.	एक अवधि से दूसरे अवधि के एक फर्म द्वारा सामान लेखाकरण
B.	समरूपता	II.	किसी एक मद या घटना के सापेक्षित आकार या महत्त्व से संबंध स्थापित कराना
C.	लागत संकल्पना	III.	एक व्यवसायिक इकाई के दिवालिया होने की एक अनुपयुक्त अवधारणा
D.	भौतिकता	IV.	परिसंपत्तियों के लिए लेखा हेतु प्रयुक्त सामान्य आधार

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-II, B-III, C-IV, D-I
2. A-I, B-II, C-III, D-IV
3. A-I, B-II, C-IV, D-III
4. A-III, B-I, C-IV, D-II

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

118 908118

Match List I with List II

LIST I (Herfindahe Index Value)		LIST II (Market Type)	
A.	Zero	I.	Oligopoly with high risk of cartels
B.	0 - 1,000	II.	Oligopoly
C.	1,000 - 1,800	III.	Monopolistic competition
D.	1,800 - 10,000	IV.	Extremely competitive market

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-I, B-II, C-III, D-IV
2. A-IV, B-III, C-II, D-I
3. A-II, B-I, C-III, D-IV
4. A-I, B-III, C-II, D-IV

2.0 0.00

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I हरफिन्डाल सूचकांक मान		सूची II बाजार का प्रकार	
A.	(0)	I.	उत्पाद संघ के उच्च जोखिम सहित अल्पाधिकार
B.	0 -1,000	II.	अल्पाधिकार
C.	1000 - 1,800	III.	एकाधिकारी प्रतिस्पर्धा
D.	1,800 - 10,000	IV.	अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-I, B-II, C-III, D-IV
2. A-IV, B-III, C-II, D-I
3. A-II, B-I, C-III, D-IV
4. A-I, B-III, C-II, D-IV

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

119 908119

Match List I with List II

LIST I (Technique)		LIST II (Feature)	
A.	Pooling	I.	Setting up production facilities in a number of countries
B.	Financial hedge	II.	Reduction of Foreign exchange risk through leading and lagging
C.	Natural hedge	III.	Simultaneous borrowing and lending in two different currencies
D.	Netting	IV.	Holding and managing of cash by the affiliates

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-I, B-IV, C-II, D-III
2. A-IV, B-III, C-I, D-II
3. A-IV, B-II, C-III, D-1
4. A-I, B-II, C-III, D-IV

2.0 0.00

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	पूलिंग (पूलन)	I.	अनेक देशों में उत्पादन सुविधाएं स्थापित करना
B.	वित्तीय प्रतिरक्षण	II.	ऋण देने एवं परिवेष्ठ (लैगिंग) के माध्यम से विदेश विनिमय जोखिम में कमी करना
C.	प्राकृतिक प्रतिरक्षण	III.	दो अलग-अलग देशों की मुद्रा में समकालिक उधारी एवं ऋण
D.	नेटिंग	IV.	सम्बंधितो द्वारा नकदी का प्रतिरक्षण एवं प्रबंध

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-I, B-IV, C-II, D-III
2. A-IV, B-III, C-I, D-II
3. A-IV, B-II, C-IV, D-I
4. A-I, B-II, C-III, D-IV

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

120 908120

Match List I with List II

LIST I (Non-parametric test (Counterpart of parameter test)		LIST II (Parametric test)	
A.	Friedman Test	I.	One-way ANOVA
B.	Mann-Whitney U Test	II.	t-test
C.	Kriskal Wallis Test	III.	Paired t-test
D.	Wilcoxon signed Rank Test	IV.	two-way ANOVA

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-I, B-III, C-IV, D-II
2. A-IV, B-II, C-I, D-III
3. A-III, B-I, C-II, D-IV
4. A-II, B-IV, C-III, D-I

2.0 0.00

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I गैर-प्राचलिक परीक्षण (प्राचलिक परीक्षण का प्रतिस्थानी)		सूची II प्राचलिक परीक्षण	
A.	फ्रीडमैन परीक्षण	I.	एक दिशीय एनोव
B.	मॉन-व्हिटनी U परीक्षण	II.	t- परीक्षण
C.	क्रुस्कल - वालिस परीक्षण	III.	युग्मित t- परीक्षण
D.	विलकॉक्सन साइन्ड रैंक परीक्षण	IV.	द्वि-दिशीय एनोवा

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-I, B-III, C-IV, D-II

2. A-IV, B-II, C-I, D-III

3. A-III, B-I, C-II, D-IV

4. A-II, B-IV, C-III, D-I

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

121 908121

Match List I with List II

LIST I (Motive of human behaviour in organizations)		LIST II (Characteristic)	
A.	Achievement	I.	Concern for others
B.	Control	II.	Concern for self-development
C.	Extension	III.	Concern for excellence
D.	Dependency	IV.	Concern for orderliness

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-III, B-IV, C-II, D-I
2. A-IV, B-III, C-II, D-I
3. A-II, B-IV, C-I, D-III
4. A-III, B-IV, C-I, D-II

2.0 0.00

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I संगठन में मानव व्यवहार का उद्देश्य		सूची II विशेषता	
A.	उपलब्धि	I.	दूसरों के लिए सरोकार
B.	नियंत्रण	II.	स्व विकास के लिए सरोकार
C.	प्रसार	III.	उत्कृष्टता के लिए सरोकार
D.	निर्भर	IV.	सुव्यवस्था के लिए सरोकार

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-III, B-IV, C-II, D-I
2. A-IV, B-III, C-II, D-I
3. A-II, B-IV, C-I, D-III
4. A-III, B-IV, C-I, D-II

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

122 908122

Match List I with List II

LIST I (Consequent outcome)		LIST II (Taxation Perspective)	
A.	The person is liable to penalty and prosecution	I.	Tax Management
B.	Tax is reduced by taking advantage of loopholes of the law	II.	Tax Avoidance
C.	Main aim is compliance with legal formalities	III.	Tax Evasion
D.	It is a guide in decision making	IV.	Tax planning

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-II, B-III, C-IV, D-I
2. A-II, B-IV, C-III, D-I
3. A-III, B-II, C-I, D-IV
4. A-III, B-I, C-IV, D-II

2.0 0.00

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

	सूची I अनुवर्ती परिणाम		सूची II कराधान दृष्टिकोण
A.	व्यक्ति अर्थ दण्ड और अभियोजन के अधीन होता है।	I.	कर प्रबंधन
B.	कानून की कमजोरियों का लाभ उठाकर कर कम किया जाता है।	II.	कर परिहार
C.	मुख्य उद्देश्य कानूनी औपचारिकताओं का अनुपालन करना है।	III.	कर अपवंचन
D.	यह निर्णय कार्य में एक मार्ग दर्शक है।	IV.	कर योजना

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-II, B-III, C-IV, D-I
2. A-II, B-IV, C-III, D-I
3. A-III, B-II, C-I, D-IV
4. A-III, B-I, C-IV, D-II

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

123 908123

Match List I with List II

	LIST I (Purpose)		LIST II (Committee)
A.	Study all aspects of Electronic Fund Transfer (EFT)	I.	Rashid Jilani Committee (1992)
B.	Working group on NBFCs	II.	Soduani Committee (1994)
C.	Suggest alternate methods of Lending	III.	Malegam Committee (1995)
D.	Expert group on Foreign exchange markets	IV.	Shere Committee (1995)

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-III, B-I, C-II, D-IV
2. A-II, B-I, C-III, D-IV
3. A-I, B-III, C-II, D-IV
4. A-IV, B-III, C-I, D-II

2.0 0.00

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

	सूची I प्रयोजन		सूची II समिति
A.	इलेक्ट्रानिक निधि अंतरण (ई एफ टी) के सभी पहलुओं का अध्ययन करना	I.	राशिद जिलानी समिति (1994)
B.	एन बी एस सी पर कार्य समूह	II.	सोधानी समिति (1994)
C.	ऋण / उधार की वैकल्पिकविधियों पर सुझाव देना	III.	मालेगाँव समिति (1995)
D.	विदेशी विनिमय बाजार पर विशेषज्ञ समूह	IV.	शेरे समिति (1995)

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-III, B-I, C-II, D-IV
2. A-II, B-I, C-III, D-IV
3. A-I, B-III, C-II, D-IV
4. A-IV, B-III, C-I, D-II

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

124 908124

Match List I with List II

	LIST I (Retail Store Format)		LIST II (Product assortment)
A.	Discount	I.	Very narrow and deep
B.	Specialty	II.	Broad and shallow
C.	Category Killer	III.	Broad and deep
D.	Supermarket	IV.	Narrow and very deep

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-II, B-I, C-III, D-IV
2. A-I, B-II, C-III, D-IV
3. A-IV, B-II, C-III, D-I
4. A-II, B-I, C-IV, D-III

2.0 0.00

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I रिटेल स्टोर प्रारूप		सूची II उत्पाद वर्गीकरण	
A.	डिस्काउंट	I.	बहुत सँकरा एवं गहरा
B.	स्पेशियलिटी	II.	चौड़ा एवं उथला
C.	कैटगरी किलर	III.	चौड़ा एवं गहरा
D.	सुपर मार्केट	IV.	सँकरा एवं बहुत गहरा

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-II, B-I, C-III, D-IV

2. A-I, B-II, C-III, D-IV

3. A-IV, B-II, C-III, D-I

4. A-II, B-I, C-IV, D-III

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

125 908125

Match List I with List II

LIST I (Schedules under the companies Act, 2013)		LIST II (Underlying themes)	
A.	Schedule I	I.	Computation of Depreciation
B.	Schedule II	II.	Code for Independent directors
C.	Schedule III	III.	Memorandum of Association
D.	Schedule IV	IV.	Preparation of Balance sheet and statement of profit and loss

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-II, B-I, C-IV, D-III
2. A-III, B-I, C-IV, D-II
3. A-III, B-IV, C-I, D-II
4. A-I, B-III, C-II, D-IV

2.0 0.00

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I कंपनी अधिनियम 2013 के अंतर्गत अनुसूचियाँ		सूची II अंतर्निहित विषय	
A.	अनुसूची I	I.	मूल्यह्रास का परिकलन
B.	अनुसूची II	II.	स्वतंत्र निदेशकों हेतु नियमावाली
C.	अनुसूची III	III.	संस्थापन प्रलेख
D.	अनुसूची IV	IV.	तुलन-पत्र को तैयार करना और लाभ एवं हानि संबंधी विवरण को तैयार करना

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-II, B-I, C-IV, D-III

2. A-III, B-I, C-IV, D-II

3. A-III, B-IV, C-I, D-II

4. A-I, B-III, C-II, D-IV

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

126 908126

The steps to be followed by a firm while strategizing to go international are as follows:

A. Deciding when to enter
B. Deciding which markets to enter
C. Deciding whether to go global
D. Choosing a mode of entry
E. Deciding how to enter the chosen market.

Choose the correct answer from the options given below:

1. E, D, C, B, A
2. C, A, E, D, B
3. C, B, A, E, D
4. A, B, C, E, D

2.0 0.00

		कोई कंपनी जब वह अपने को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने संबंधी कार्यनीति को बना रही होती है तो उसके द्वारा अनुसरण किए जाने वाले चरण हैं : A. कब इसकी शुरुआत (प्रवेश) करना है, इसका निर्णय करना। B. किन बाजारों में प्रवेश करना है, इसका निर्णय करना। C. वैश्विक सतर पर स्थापित होना या नहीं होना, इसका निर्णय करना। D. प्रवेश के तरीके (साधन) का चुनाव करना। E. चुनी हुई बाजार में कैसे प्रवेश पाना है, इसका निर्णय करना। 1. E, D, C, B, A 2. C, A, E, D, B 3. C, B, A, E, D 4. A, B, C, E, D A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4		
Objective Question				
127	908127	Arrange the steps of process costing from beginning and ending with the work in process inventory A. Summarize total costs to account for work-in-process inventory B. Compute output in terms of equivalent unit C. Compute cost per equivalent unit D. Summarize the flow of physical units (of output) E. Assign total cost to units completed and to units in ending work in process. Choose the correct answer from the options given below: 1. D, B, A, C, E 2. B, C, D, A, E 3. C, B, A, D, E 4. E, D, A, B, C प्रक्रिया लागत के सोपानों को आरम्भ से तथा प्रक्रियाधीन इन्वेन्ट्री पर समाप्ति के अनुक्रम में व्यवस्थित कीजिए : A. कुल लागत का सार में प्रक्रिया मालसूची का वर्णन प्रस्तुत करना B. समतुल्य इकाई के सन्दर्भ में उत्पाद की गणना करना C. प्रति समतुल्य इकाई लागत की गणना करना D. भौतिक इकाइयों (उत्पाद) के प्रवाह का सार प्रस्तुत करना E. कार्य पूर्ण करने वाली इकाइयों और समाप्ति प्रक्रियाधीन इकाइयों के लिए कुल लागत निर्दिष्ट करना नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए : 1. D, B, A, C, E 2. B, C, D, A, E 3. C, B, A, D, E 4. E, D, A, B, C	2.0	0.00

		A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4		
Objective Question				
128	908128	Arrange the following goods and services in the increasing order of the underlying income elasticity of demand. A. Normal consumption goods B. Necessities C. Luxuries D. Inferior goods E. Services Choose the correct answer from the options given below: 1. D, B, A, E, C 2. D, C, B, A, E 3. C, E, B, A, D 4. B, A, D, C, E निम्नलिखित वस्तुओं एवं सेवाओं की मांग को उल्लेखनीय आय लोच के बढ़ते क्रम में व्यवस्थित कीजिए: A. सामान्य उपभोग सेवाएँ B. आवश्यक वस्तुएँ C. विलास-वस्तुएँ D. निम्नस्तरीय वस्तुएँ E. सेवाएँ नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए : 1. D, B, A, E, C 2. D, C, B, A, E 3. C, E, B, A, D 4. B, A, D, C, E A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4	2.0	0.00
Objective Question				
129	908129		2.0	0.00

		Sequence the following steps in the operational functioning of the Asset reconstruction companies (as per SARFAESI Act 2002) A. Charge a 2 percent management fee B. Issue security receipts to bank C. Make payment to bank D. Buys loans of bank at a discount E. Carry out the recovery Choose the correct answer from the options given below: 1. D, C, A, E, B 2. D, B, E, A, C 3. D, B, C, E, A 4. D, A, B, E, C परिसंपत्ति पुर्नसंरचना कंपनियों (सरफॉसी अधिनियम, 2012 के अनुसार) के कार्यकलापों के निम्न पदों को क्रमानुसार व्यवस्थित किजिए : A. 2 प्रतिशत प्रबन्धन शुल्क प्रभारित (लगाती) करती हैं। B. बैंक को प्रतिभूति प्राप्तियाँ निर्गमित करती हैं। C. बैंक को भुगतान करती हैं। D. बैंक को छूट पर ऋण प्राप्त करती हैं । E. प्रतिलाभ (वसूली) क्रियान्वित करती हैं। नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए : 1. D, C, A, E, B 2. D, B, E, A, C 3. D, B, C, E, A 4. D, A, B, E, C A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4		
Objective Question				
130	908130	The problem-definition process involves following steps. Arrange them in a logical sequence. A. Determine the unit of analysis B. Determine the relevant variables C. Write managerial decision statement and research objectives D. Write research question and/or research hypothesis E. Identify key problems Choose the correct answer from the options given below: 1. A, B, E, D, C 2. C, D, A, B, E 3. B, E, A, C, D 4. E, C, A, B, D	2.0	0.00

		सामान्य- परिभाषा प्रक्रिया में निम्नलिखित चरण सम्मिलित किए जाते हैं। उन्हें तार्किक अनुक्रम में व्यवस्थित कीजिए। A. विश्लेषण की इकाई निर्धारित करना B. प्रासंगिक चरों को निर्धारित करना C. प्रबंधकीय निर्णय विवरण (कथन) एवं शोध-उद्देश्य को लिखना। D. शोध प्रश्नों और / शोध प्राक्कल्पना को लिखना E. मुख्य समस्याओं की पहचान करना। नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए : 1. A, B, E, D, C 2. C, D, A, B, E 3. B, E, A, C, D 4. E, C, A, B, D A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4		
Objective Question				
131	908131	As suggested by Collins, arrange the following leadership levels in the sequentially higher order. A. The leader is a competent manager B. The leader is an executive C. The leader is a highly capable individual D. The leader is an effective leader E. The leader is a contributing team member. Choose the correct answer from the options given below: 1. B, C, D, A, E 2. C, E, A, D, B 3. C, A, E, D, B 4. C, E, A, B, D	2.0	0.00

		कोलिन्स द्वारा सुझाए गए निम्नलिखित नेतृत्व स्तरों को कालानुक्रम के उच्च क्रम में व्यवस्थित कीजिए : A. नेतृत्वकर्ता सक्षम प्रबन्धक होता है B. नेतृत्वकर्ता कार्यकारी अधिकारी होता है C. नेतृत्वकर्ता अत्यधिक समर्थ व्यक्ति होता है D. नेतृत्वकर्ता एक प्रभावी नेतृत्वकर्ता होता है E. नेतृत्वकर्ता टीम सदस्य (सभागी) के रूप में कार्य करने वाला होता है नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए : 1. B, C, D, A, E 2. C, E, A, D, B 3. C, A, E, D, B 4. C, E, A, B, D A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4		
Objective Question				
132	908132	Starting from the earliest, sequence the steps taken to develop the money market in India A. Introduction of Interest Rate Swaps (IRSs) B. Introduction of Commercial Paper C. Introduction of Ways and Means Advances (WMA) linked to bank rate D. Introduction of Liquidity Adjustment Facility (LAF) E. Implementation of Real Time Gross Settlement (RTGS) Choose the correct answer from the options given below: 1. C, B, D, A, E 2. D, C, B, E, A 3. B, D, C, A, E 4. B, C, D, A, E	2.0	0.00

		भारत की मुद्रा बाजार को विकसित करने के लिए उठाये गए सोपानों को सर्वप्रथम से अद्यतन के क्रम में व्यवस्थित कीजिए : A. ब्याज दर स्वैट्स (आई आर एस) का आरंभ B. वाणिज्यिक पत्र का आरंभ C. बैंक दर से संबद्ध वे एंड मीन्स एडवांस (डब्ल्यू एम् ए) का आरम्भ D. लिक्विडिटी एडजेस्टमेंट फैसिलिटी (एल ए एफ) का आरम्भ E. रियल टाइम ग्रास सेटलमेन्ट (आर टी जी एस) का क्रियान्वयन नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए : । 1. C, B, D, A, E 2. D, C, B, E, A 3. B, D, C, A, E 4. B, C, D, A, E A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4		
Objective Question				
133	908133	Arrange the following service gaps as per SERVQUAL approach in the logical sequence. A. The gap between service quality specifications and service delivery B. The gap between the customer's expectations end management perception C. The gap between perceived service and expected service D. The gap between management perception and service quality specification E. The gap between service delivery and external communications. Choose the correct answer from the options given below: 1. D, A, B, E, C 2. B, D, A, E, C 3. A, C, B, D, E 4. C, A, B, E, D एस ई आर वी क्यू यू ए एल (SERVQUAL) उपागम के अनुसार निम्नलिखित सेवा-अंतरालों को तर्कसंगत अनुक्रम में व्यवस्थित कीजिए : A. सेवा संबंधी-गुणवत्ता विनिर्देशन एवं सेवा सुपुर्दगी के मध्य अंतराल B. ग्राहक की अपेक्षाओं एवं प्रबंधकीय प्रत्यज्ञ ज्ञान (अवबोधन) के मध्य अंतराल C. अनुभूत सेवा एवं अपेक्षित सेवा के मध्य अंतराल D. प्रबंधकीय प्रत्यज्ञ ज्ञान एवं सेवा संबंधी गुणवत्ता विनिर्देशन के मध्य अंतराल E. सेवा सुपुर्दगी एवं वाह्य संप्रेषण के मध्य अंतराल नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए : । 1. D, A, B, E, C 2. B, D, A, E, C 3. A, C, B, D, E 4. C, A, B, E, D	2.0	0.00

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

134	908134	Arrange the following steps in a logical sequence in recourse to dishonouring a negotiable instrument: A. Noting B. Compensation C. Protesting D. Notice of dishonour E. Penalties Choose the correct answer from the options given below: 1. D, A, C, B, E 2. C, D, A, B, E 3. C, D, E, B, A 4. A, C, D, B, E पराकर्म प्रपत्र को नकारने हेतु वसूली अधिकार में आने वाले निम्नलिखित चरणों (सोपानों) को तार्किक अनुक्रम में व्यवस्थित कीजिए : A. निकराई (नोटिंग) B. मुआवजा (प्रतिकार) C. नकार-प्रमाणन D. अस्वीकार करने संबंधी नोटिस E. शास्तियाँ (अर्थदंड) नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए : 1. D, A, C, B, E 2. C, D, A, B, E 3. C, D, E, B, A 4. A, C, D, B, E A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4	2.0	0.00

Objective Question

135	908135		2.0	0.00

		Arrange the following advance payment of tax in ascending order (Section 207 to section 211) of the Income Tax Act,1961. A. Instalment of advance tax and due date B. Liability for payment of Advance Tax C. Payment of advance tax by the assessee on own record D. Condition of liability to pay advance tax E. Computation of advance tax Choose the correct answer from the options given below: 1. A, B, C, D, E 2. B, D, E, C, A 3. B, D, E, A, C 4. C, D, E, A, B आयकर अधिनियम के अंतर्गत निम्नलिखित अग्रिम कर भुगतान को आरोही क्रम (धारा 207 से धारा 211) में क्रमबद्ध कीजिए : A. अग्रिम कर की किश्त और देय तिथि B. अग्रिम कर के भुगतान हेतु देयता C. निर्धारिती के स्वयं के दस्तावेज / रिकार्ड द्वारा अग्रिम कर भुगतान D. अग्रिम कर के भुगतान हेतु देयता की शर्त E. अग्रिम कर की संगणना नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए : 1. A, B, C, D, E 2. B, D, E, C, A 3. B, D, E, A, C 4. C, D, E, A, B A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4		
Objective Question				
136	908136	Given below are two statements: One is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R - Assertion A : By removing barriers between national markets, trading blocks create competition due to bigger trading area. Reason R : Increased competition can lead to the closure of local industry and harm domestic consumption. In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below: 1. Both A and R are correct and R is the correct explanation of A 2. Both A and R are correct but R is not the correct explanation of A 3. A is correct but R is not correct 4. A is not correct but R is correct	2.0	0.00

		नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (Assertion A) के रुप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R)के रुप में अभिकथनA: राष्ट्रीय बाजारों के मध्य की बाधाओं को दूर करके व्यापार समूह (खंड) अधिक बड़े व्यापार क्षेत्र के कारण प्रतिस्पर्धा उत्पन्न (सृजित) करते हैं। कारण R: बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धा, स्थानीय उद्योगों के समापन (बंद हो जाने) की ओर अग्रसित करती है एवं घरेलू उपभोग को नुकसान पहुँचाता है। उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उतर का चयन कीजिए 1. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है 2. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं है 3. A सही है लेकिन R सही नहीं है 4. A सही नहीं है लेकिन R सही है A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4		
Objective Question				
137	908137	Given below are two statements: One is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R. Assertion A : When a partner retires, all the assets and liabilities are revalued according to current value. Reason R : The balance sheet should show the correct values of assets and liabilities. In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below: 1. Both A and R are correct and R is the correct explanation of A 2. Both A and R are correct but R is not the correct explanation of A 3. A is correct but R is not correct 4. A is not correct but R is correct	2.0	0.00

		नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (Assertion A) के रुप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R)के रुप में अभिकथनA: जब एक साझेदार सेवा निवृत्त होता है तो वर्तमान मूल्य के अनुसार सभी परिसंपत्तियाँ और देयताओं को पुनर्मूल्यांकित किया जाता है। कारण R: तुलनपत्र में परिसंपत्तियों और देयताओं के सही मूल्यों को दिखाना चाहिए। उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उतर का चयन कीजिए 1. A और R दोनों सहीं हैं और R, A की सही व्याख्या है 2. A और R दोनों सहीं हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं है 3. A सही है लेकिन R सही नहीं है 4. A सही नहीं है लेकिन R सही है A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4		
Objective Question				
138	908138	Given below are two statements: One is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R Assertion A : Usually manufacturing companies use sale and lease back arrangement to unlock investment in fixed assets. Reason R : In a sale of lease back arrangement, the companies sell the asset to a leasing company, and lease it back to enjoy the uninterrupted use of asset in their business. In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below: 1. Both A and R are true and R is the correct explanation of A 2. Both A and R are true but R is not the correct explanation of A 3. A is true but R is not false 4. A is false but R is true	2.0	0.00

		नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (Assertion A) के रुप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R)के रुप में अभिकथनA: सामान्यत: विनिर्माता कंपनियाँ विक्रय एवं पट्टा बैक व्यवस्था का प्रयोग स्थायी परिसंपत्तियों में किए जाने वाले निवेश को मुक्त करने हेतु करती हैं। कारण R: विक्रय एवं पट्टा व्यवस्थाओं में, कंपनियाँ किसी परिसंपत्ति का विक्रय पट्टा देने वाली कंपनी को कर देती है, और अपने व्यवसाय में परिसंपत्ति का निर्बाध रूप से प्रयोग करके लाभ उठाने हेतु पुन: इसे पट्टा पर ले लेती हैं। उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उतर का चयन कीजिए 1. A और R दोनों सहीं हैं और R, A की सही व्याख्या है 2. A और R दोनों सहीं हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं है 3. A सत्य है लेकिन R असत्य है 4. A असत्य है लेकिन R सत्य है A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4		
Objective Question				
139	908139	Given below are two statements : Statement I: The only purpose of logistics management is to coordinate activities of moving products from the factory to customers. Statement II: Logistics management is only the responsibility of marketing function. In the light of the above statements choose the most appropriate answer from the options given below: 1. Both Statement I and Statement II are correct 2. Both Statement I and Statement II are incorrect 3. Statement I is correct but Statement II is incorrect 4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.	2.0	0.00

		नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (Assertion A) के रुप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R)के रुप में अभिकथनA: संभार-तंत्र प्रबन्धन का एकमात्र उद्देश्य फैक्ट्री से ग्राहकों को प्रस्तुत किए जा रहे उत्पादों संबंधी कार्यकलापों को समन्वित करना। कारण R: संभार-तंत्र प्रबन्धन विपणन कार्य का एकमात्र उत्तरदायित्व है। उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उतर का चयन कीजिए 1. कथन I और कथन II दोनों सहीं हैं 2. कथन I और कथन II दोनों गलत हैं 3. कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है 4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4		
Objective Question				
140	908140	Given below are two statements: Statement I: Certificate of incorporation is conclusive evidence that all the requirements of the Companies Act have been complied with in respect of registration. Statement II : After incorporation, if the company makes a fresh contract in terms of the pre-incorporation contract, the liability of the promoters shall come to an end. In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below: 1. Both Statement I and Statement II are true 2. Both Statement I and Statement are false 3. Statement I is true but Statement II is false 4. Statement I is false but Statement II is true	2.0	0.00

		नीचे दो कथन दिए गए हैं: कथन I: निगमन का प्रमाणपत्र एक निर्णायक साक्ष्य है जिसमें पंजीकरण के संबंध में कंपनी अधिनियम के अंतर्गत अपेक्षित प्रक्रियाओं का पालन हुआ है। कथन II: निगमन के बाद यदि कंपनी पूर्व-निगमन संविदा के सन्दर्भ में एक नई संविदा करती है तो प्रवर्तकों की देयता समाप्त हो जायेगी । उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उतर का चयन कीजिए: 1. कथन I और II दोनों सत्य हैं 2. कथन I और II दोनों असत्य हैं 3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है 4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है A1 : 1 1 A2 : 2 2 A3 : 3 3 A4 : 4 4		
Objective Question				
141	908141		2.0	0.00

Interoperability guidelines for prepaid payment instruments with United Payments Interface (UPI) bolster the business case for digital wallets. For a loading fee on transactions through UPI, payments banks, for instance, can widen the adoption of wallets among customers and merchants. This increase use cases for UPI, which largely works on a model of free peer- to- peer-merchant transactions. The opportunity provided by the scorching growth of UPI transactions must, however, cross the hurdle of consumer behaviour that is shaped by zero fees for payments made from their bank accounts. For survival, payments banks - which can accept deposits but are prohibited from lending - need to be part of the UPI ecosystem. They also need to carve out a distinct business segment where they have an advantage over full-service banks.

Those use cases are expected to grow as UPI diversifies into cross- border remittances, introduces consumer lending through RuPay credit cards and offers currency exchange to foreign travelers, and bill payments using standing instructions gain traction. UPI will also have to integrate with the digital rupee that is undergoing tests for retail and wholesale transactions. The digital payments platform will continue to play a key role in the infrastructure that is being developed around contactless payments.

This involves building additional UPI context around digital transactions such as billing and credit- profiling. Initial adoption has surpassed the most optimistic expectations. But that is principally on account of the waiver of the merchant discount rate. In the next leg, UPI will grow by providing solutions for the conduct of business. It will have to incorporate lending at some point to become a comprehensive medium of commerce. The infrastructure must encourage fintechs to push innovation in finance. Payments banks have a strong correlation with the growth of digital transactions. They are vital piece of the machinery being built. The interoperability with UPI guidelines plugs them deeper.

As per the passage, why do the payment banks need to carve out a distinct business segment for themselves?

1. To be a part of the UPI ecosystem
2. Because payment banks are in competition with full service banks
3. Because payment banks are mandated to push innovation in finance
4. In order to entitle themselves for lending

पूर्व दत्त भुगतान माध्यम के लिए यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यू पी आई) के साथ अंत: प्रचालित संबंधी मार्ग दर्शन डिजिटल वालेट को और अधिक व्यवहारिक बनाता है।यू पी आई के माध्यम से वर्धित शुल्क रहित लेन-देन भुगतान बैंक ग्राहकों और व्यापारियों के लिए वालेट की स्वीकार्यता में विस्तार कर सकता है। यह मुख्यत: यू पी आई की व्यवहार्यता परस्पर समान स्तर पर जो एक बैंक से दुसरे बैंक में मध्य लागत रहित भुगतान और बैंक से व्यापारी के मध्य लेन देन को बढ़ाता है। यू पी आई के माध्यम से तेजी बढ़ते हुए लेन देन के अवसर को ध्यान में रखकर ग्राहकों के व्यवहार जो उनके बैंक खातों से शून्य शुल्क से निर्धारित होता है। अपने अस्तित्व के लिए भुगतानकर्ता बैंक- जो जमा राशि स्वीकार कर सकता है परन्तु उन्हें ऋण देने की मनाही है- उन्हें यू पी आई इकोसिस्टम का हिस्सा बनाने की आवश्यकता है। उन्हें एक भिन्न व्यावसायिक इकाई बनने की आवश्यकता है जिसके अंतर्गत उन्हें पूर्ण सेवा बैंक का लाभ मिलता हो।

ऐसे प्रयोग से यू पी आई को विस्तार मिलेगा और इससे परस्पर देशों के सीमा पार से प्रेषित धन के तौर पर विविधीकरण होगा, ग्राहकों को रू-पे क्रेडिट कार्ड के माध्यम से विदेशी पर्यटकों को मुद्रा विनिमय द्वारा राशि दी जा सकेगी और स्थायी निर्देश का उपयोग कर बिलों के भुगतान में बृद्धि होगी। यू पी आई का डिजिटल रूपये के साथ एकीकृत होना होगा जिसका परीक्षण खुदरा एवं थोक लेन-देन के सन्दर्भ में चल रहा है। डिजिटल पेमेंट प्लेटफ़ार्म स्पर्श रहित पेमेंट्स के बुनियादी ढाँचे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता रहेगा।

इसमें डिजिटल लेन-देन जैसे बिलिंग और क्रेडिट प्रोफाइलिंग के लिए आतिरिक्त यू पी आई कांटेक्टलेस (संसर्ग रहित) सुबिधा शामिल है। आरंभिक अंगीकरण आशावादी अपेक्षाओं को पार कर गया। लेकिन सिद्धांतत: व्यापारी छूट दर में दी गई रियायतों के कारण हुआ है। अगले चरण में व्यापार करने के लिए यू पी आई समाधान देने का कार्य करेगा। इसे कभी न कभी ऋण देने संबंधी व्यवस्था को भी अपने क्रिया कलाप में शामिल करना होगा ताकि यह वाणिज्य का व्यापक माध्यम बन सके। बुनियादी ढाँचा में फिटनेस को प्रोत्साहित करना होगा जिससे वित्त के क्षेत्र में नवाचार संभव हो। पेमेंट बैंकों का डिजिटल लेन-देन के साथ सुदृढ़ सह संबंध है। यह निर्माण हो रहे तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यू पी आई दिशा निर्देश के अंत: प्रचालनीयता इसे पूरी तरह सुरक्षित बनाता है।

उपरोक्त गद्यांश के अनुसार भुगतानकर्ता बैंकों को अपने लिए विशिष्ट व्यावसायिक इकाई बनाने की क्या आवश्यकता है?

1. यू पी आई इकोसिस्टम का हिस्सा बनने के लिए
2. क्योंकि भुगतानकर्ता बैंकों की पूर्ण सेवा बैंकों से साथ प्रतिस्पर्धा है।
3. क्योंकि भुगतानकर्ता बैंकों को अधिदेश है कि वे वित्त क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा दें।
4. ताकि ऋण देने के लिए वे अधिकृत हों

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

142	908142		2.0	0.00

Interoperability guidelines for prepaid payment instruments with United Payments Interface (UPI) bolster the business case for digital wallets. For a loading fee on transactions through UPI, payments banks, for instance, can widen the adoption of wallets among customers and merchants. This increase use cases for UPI, which largely works on a model of free peer- to- peer-merchant transactions. The opportunity provided by the scorching growth of UPI transactions must, however, cross the hurdle of consumer behaviour that is shaped by zero fees for payments made from their bank accounts. For survival, payments banks - which can accept deposits but are prohibited from lending - need to be part of the UPI ecosystem. They also need to carve out a distinct business segment where they have an advantage over full-service banks.

Those use cases are expected to grow as UPI diversifies into cross- border remittances, introduces consumer lending through RuPay credit cards and offers currency exchange to foreign travelers, and bill payments using standing instructions gain traction. UPI will also have to integrate with the digital rupee that is undergoing tests for retail and wholesale transactions. The digital payments platform will continue to play a key role in the infrastructure that is being developed around contactless payments.

This involves building additional UPI context around digital transactions such as billing and credit- profiling. Initial adoption has surpassed the most optimistic expectations. But that is principally on account of the waiver of the merchant discount rate. In the next leg, UPI will grow by providing solutions for the conduct of business. It will have to incorporate lending at some point to become a comprehensive medium of commerce. The infrastructure must encourage fintechs to push innovation in finance. Payments banks have a strong correlation with the growth of digital transactions. They are vital piece of the machinery being built. The interoperability with UPI guidelines plugs them deeper.

Given below are two statements:

Statement I : Initial UIP adoption has surpassed the most optimistic expectations on account of the waiver of the merchant discount rate.

Statement II: The future growth of the UPI will be facilitated by providing solution for the conduct of business and to becoming a medium of commerce.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

1. Both Statement Iand Statement II are correct
2. Both Statement I and Statement II are incorrect
3. Statement I is correct but Statement II is incorrect
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

पूर्व दत्त भुगतान माध्यम के लिए यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यू पी आई) के साथ अंत: प्रचालित संबंधी मार्ग दर्शन डिजिटल वालेट को और अधिक व्यवहारिक बनाता है।यू पी आई के माध्यम से वर्धित शुल्क रहित लेन-देन भुगतान बैंक ग्राहकों और व्यापारियों के लिए वालेट की स्वीकार्यता में विस्तार कर सकता है। यह मुख्यत: यू पी आई की व्यवहार्यता परस्पर समान स्तर पर जो एक बैंक से दुसरे बैंक में मध्य लागत रहित भुगतान और बैंक से व्यापारी के मध्य लेन देन को बढ़ाता है। यू पी आई के माध्यम से तेजी बढ़ते हुए लेन देन के अवसर को ध्यान में रखकर ग्राहकों के व्यवहार जो उनके बैंक खातों से शून्य शुल्क से निर्धारित होता है। अपने अस्तित्व के लिए भुगतानकर्ता बैंक- जो जमा राशि स्वीकार कर सकता है परन्तु उन्हें ऋण देने की मनाही है- उन्हें यू पी आई इकोसिस्टम का हिस्सा बनाने की आवश्यकता है। उन्हें एक भिन्न व्यावसायिक इकाई बनने की आवश्यकता है जिसके अंतर्गत उन्हें पूर्ण सेवा बैंक का लाभ मिलता हो।

ऐसे प्रयोग से यू पी आई को विस्तार मिलेगा और इससे परस्पर देशों के सीमा पार से प्रेषित धन के तौर पर विविधीकरण होगा, ग्राहकों को रू-पे क्रेडिट कार्ड के माध्यम से विदेशी पर्यटकों को मुद्रा विनिमय द्वारा राशि दी जा सकेगी और स्थायी निर्देश का उपयोग कर बिलों के भुगतान में बृद्धि होगी। यू पी आई का डिजिटल रूपये के साथ एकीकृत होना होगा जिसका परीक्षण खुदरा एवं थोक लेन-देन के सन्दर्भ में चल रहा है। डिजिटल पेमेंट प्लेटफ़ार्म स्पर्श रहित पेमेंट्स के बुनियादी ढाँचे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता रहेगा।

इसमें डिजिटल लेन-देन जैसे बिलिंग और क्रेडिट प्रोफाइलिंग के लिए आतिरिक्त यू पी आई कांटेक्टलेस (संसर्ग रहित) सुबिधा शामिल है। आरंभिक अंगीकरण आशावादी अपेक्षाओं को पार कर गया। लेकिन सिद्धांतत: व्यापारी छूट दर में दी गई रियायतों के कारण हुआ है। अगले चरण में व्यापार करने के लिए यू पी आई समाधान देने का कार्य करेगा। इसे कभी न कभी ऋण देने संबंधी व्यवस्था को भी अपने क्रिया कलाप में शामिल करना होगा ताकि यह वाणिज्य का व्यापक माध्यम बन सके। बुनियादी ढाँचा में फिटनेस को प्रोत्साहित करना होगा जिससे वित्त के क्षेत्र में नवाचार संभव हो। पेमेंट बैंकों का डिजिटल लेन-देन के साथ सुदृढ़ सह संबंध है। यह निर्माण हो रहे तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यू पी आई दिशा निर्देश के अंत: प्रचालनीयता इसे पूरी तरह सुरक्षित बनाता है।

नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I: आरम्भिक यू पी आई अंगीकरण आशावादी अपेक्षाओं को व्यापारी छूट देर में रियायत दिए जाने के कारण पार कर गया है।

कथन II: यू पी आई का भावी विकास व्यापार करने के लिए समाधान उपलब्ध कराना और वाणिज्य का माध्यम बनने पर होगा।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उतर का चयन कीजिए:

1. कथन I और कथन II दोनों सहीं हैं
2. कथन I और कथन II दोनों गलत हैं
3. कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है
4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

143	908143		2.0	0.00

Interoperability guidelines for prepaid payment instruments with United Payments Interface (UPI) bolster the business case for digital wallets. For a loading fee on transactions through UPI, payments banks, for instance, can widen the adoption of wallets among customers and merchants. This increase use cases for UPI, which largely works on a model of free peer- to- peer-merchant transactions. The opportunity provided by the scorching growth of UPI transactions must, however, cross the hurdle of consumer behaviour that is shaped by zero fees for payments made from their bank accounts. For survival, payments banks - which can accept deposits but are prohibited from lending - need to be part of the UPI ecosystem. They also need to carve out a distinct business segment where they have an advantage over full-service banks.

Those use cases are expected to grow as UPI diversifies into cross- border remittances, introduces consumer lending through RuPay credit cards and offers currency exchange to foreign travelers, and bill payments using standing instructions gain traction. UPI will also have to integrate with the digital rupee that is undergoing tests for retail and wholesale transactions. The digital payments platform will continue to play a key role in the infrastructure that is being developed around contactless payments.

This involves building additional UPI context around digital transactions such as billing and credit- profiling. Initial adoption has surpassed the most optimistic expectations. But that is principally on account of the waiver of the merchant discount rate. In the next leg, UPI will grow by providing solutions for the conduct of business. It will have to incorporate lending at some point to become a comprehensive medium of commerce. The infrastructure must encourage fintechs to push innovation in finance. Payments banks have a strong correlation with the growth of digital transactions. They are vital piece of the machinery being built. The interoperability with UPI guidelines plugs them deeper.

Contactless payments infrastructure, as per the passage, will empower fintechs for:

1. Interoperability with the UPI
2. Innovation in finance
3. Integration with the UPI ecosystem
4. Integration with the full service banks

पूर्व दत्त भुगतान माध्यम के लिए यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यू पी आई) के साथ अंत: प्रचालित संबंधी मार्ग दर्शन डिजिटल वालेट को और अधिक व्यवहारिक बनाता है।यू पी आई के माध्यम से वर्धित शुल्क रहित लेन-देन भुगतान बैंक ग्राहकों और व्यापारियों के लिए वालेट की स्वीकार्यता में विस्तार कर सकता है। यह मुख्यत: यू पी आई की व्यवहार्यता परस्पर समान स्तर पर जो एक बैंक से दुसरे बैंक में मध्य लागत रहित भुगतान और बैंक से व्यापारी के मध्य लेन देन को बढ़ाता है। यू पी आई के माध्यम से तेजी बढ़ते हुए लेन देन के अवसर को ध्यान में रखकर ग्राहकों के व्यवहार जो उनके बैंक खातों से शून्य शुल्क से निर्धारित होता है। अपने अस्तित्व के लिए भुगतानकर्ता बैंक- जो जमा राशि स्वीकार कर सकता है परन्तु उन्हें ऋण देने की मनाही है- उन्हें यू पी आई इकोसिस्टम का हिस्सा बनाने की आवश्यकता है। उन्हें एक भिन्न व्यावसायिक इकाई बनने की आवश्यकता है जिसके अंतर्गत उन्हें पूर्ण सेवा बैंक का लाभ मिलता हो।

ऐसे प्रयोग से यू पी आई को विस्तार मिलेगा और इससे परस्पर देशों के सीमा पार से प्रेषित धन के तौर पर विविधीकरण होगा, ग्राहकों को रू-पे क्रेडिट कार्ड के माध्यम से विदेशी पर्यटकों को मुद्रा विनिमय द्वारा राशि दी जा सकेगी और स्थायी निर्देश का उपयोग कर बिलों के भुगतान में बृद्धि होगी। यू पी आई का डिजिटल रूपये के साथ एकीकृत होना होगा जिसका परीक्षण खुदरा एवं थोक लेन-देन के सन्दर्भ में चल रहा है। डिजिटल पेमेंट प्लेटफ़ार्म स्पर्श रहित पेमेंट्स के बुनियादी ढाँचे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता रहेगा।

इसमें डिजिटल लेन-देन जैसे बिलिंग और क्रेडिट प्रोफाइलिंग के लिए आतिरिक्त यू पी आई कांटेक्टलेस (संसर्ग रहित) सुबिधा शामिल है। आरंभिक अंगीकरण आशावादी अपेक्षाओं को पार कर गया। लेकिन सिद्धांतत: व्यापारी छूट दर में दी गई रियायतों के कारण हुआ है। अगले चरण में व्यापार करने के लिए यू पी आई समाधान देने का कार्य करेगा। इसे कभी न कभी ऋण देने संबंधी व्यवस्था को भी अपने क्रिया कलाप में शामिल करना होगा ताकि यह वाणिज्य का व्यापक माध्यम बन सके। बुनियादी ढाँचा में फिटनेस को प्रोत्साहित करना होगा जिससे वित्त के क्षेत्र में नवाचार संभव हो। पेमेंट बैंकों का डिजिटल लेन-देन के साथ सुदृढ़ सह संबंध है। यह निर्माण हो रहे तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यू पी आई दिशा निर्देश के अंत: प्रचालनीयता इसे पूरी तरह सुरक्षित बनाता है।

गद्यांश के अनुसार स्पर्शरहित (कांटेक्टलेस) भुगतान संबंधी आधारभूत ढाँचा फिनटेक को कैसे सशक्त करेगा:

1. यू पी आई के साथ अंत: संचालनीयता से
2. वित्त में नवाचार से
3. यू पी आई इकोसिस्टम के साथ एकीकरण से
4. पूर्ण सेवा बैंकों के साथ एकीकरण से

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

144	908144		2.0	0.00

Interoperability guidelines for prepaid payment instruments with United Payments Interface (UPI) bolster the business case for digital wallets. For a loading fee on transactions through UPI, payments banks, for instance, can widen the adoption of wallets among customers and merchants. This increase use cases for UPI, which largely works on a model of free peer- to- peer-merchant transactions. The opportunity provided by the scorching growth of UPI transactions must, however, cross the hurdle of consumer behaviour that is shaped by zero fees for payments made from their bank accounts. For survival, payments banks - which can accept deposits but are prohibited from lending - need to be part of the UPI ecosystem. They also need to carve out a distinct business segment where they have an advantage over full-service banks.

Those use cases are expected to grow as UPI diversifies into cross- border remittances, introduces consumer lending through RuPay credit cards and offers currency exchange to foreign travelers, and bill payments using standing instructions gain traction. UPI will also have to integrate with the digital rupee that is undergoing tests for retail and wholesale transactions. The digital payments platform will continue to play a key role in the infrastructure that is being developed around contactless payments.

This involves building additional UPI context around digital transactions such as billing and credit- profiling. Initial adoption has surpassed the most optimistic expectations. But that is principally on account of the waiver of the merchant discount rate. In the next leg, UPI will grow by providing solutions for the conduct of business. It will have to incorporate lending at some point to become a comprehensive medium of commerce. The infrastructure must encourage fintechs to push innovation in finance. Payments banks have a strong correlation with the growth of digital transactions. They are vital piece of the machinery being built. The interoperability with UPI guidelines plugs them deeper.

Which of the following use cases are expected to promotes the growth of payment basses?

A. UPI integration with the digital rupee
B. Dislocation of payment banks from digital transactions
C. UPI facilitation of cross-border remittances
D. Keeping a safe distance from the contactless payment infrastructure
E. Consumer lending through Rupay Credit Cards.

Choose the most appropriate answer from the operations given below:

1. A, B and C only
2. C, D and E only
3. A, C and E only
4. B, D and E only

पूर्व दत्त भुगतान माध्यम के लिए यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यू पी आई) के साथ अंत: प्रचालित संबंधी मार्ग दर्शन डिजिटल वालेट को और अधिक व्यवहारिक बनाता है।यू पी आई के माध्यम से वर्धित शुल्क रहित लेन-देन भुगतान बैंक ग्राहकों और व्यापारियों के लिए वालेट की स्वीकार्यता में विस्तार कर सकता है। यह मुख्यत: यू पी आई की व्यवहार्यता परस्पर समान स्तर पर जो एक बैंक से दुसरे बैंक में मध्य लागत रहित भुगतान और बैंक से व्यापारी के मध्य लेन देन को बढ़ाता है। यू पी आई के माध्यम से तेजी बढ़ते हुए लेन देन के अवसर को ध्यान में रखकर ग्राहकों के व्यवहार जो उनके बैंक खातों से शून्य शुल्क से निर्धारित होता है। अपने अस्तित्व के लिए भुगतानकर्ता बैंक- जो जमा राशि स्वीकार कर सकता है परन्तु उन्हें ऋण देने की मनाही है- उन्हें यू पी आई इकोसिस्टम का हिस्सा बनाने की आवश्यकता है। उन्हें एक भिन्न व्यावसायिक इकाई बनने की आवश्यकता है जिसके अंतर्गत उन्हें पूर्ण सेवा बैंक का लाभ मिलता हो।

ऐसे प्रयोग से यू पी आई को विस्तार मिलेगा और इससे परस्पर देशों के सीमा पार से प्रेषित धन के तौर पर विविधीकरण होगा, ग्राहकों को रू-पे क्रेडिट कार्ड के माध्यम से विदेशी पर्यटकों को मुद्रा विनिमय द्वारा राशि दी जा सकेगी और स्थायी निर्देश का उपयोग कर बिलों के भुगतान में बृद्धि होगी। यू पी आई का डिजिटल रूपये के साथ एकीकृत होना होगा जिसका परीक्षण खुदरा एवं थोक लेन-देन के सन्दर्भ में चल रहा है। डिजिटल पेमेंट प्लेटफ़ार्म स्पर्श रहित पेमेंट्स के बुनियादी ढाँचे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता रहेगा।

इसमें डिजिटल लेन-देन जैसे बिलिंग और क्रेडिट प्रोफाइलिंग के लिए आतिरिक्त यू पी आई कांटेक्टलेस (संसर्ग रहित) सुबिधा शामिल है। आरंभिक अंगीकरण आशावादी अपेक्षाओं को पार कर गया। लेकिन सिद्धांतत: व्यापारी छूट दर में दी गई रियायतों के कारण हुआ है। अगले चरण में व्यापार करने के लिए यू पी आई समाधान देने का कार्य करेगा। इसे कभी न कभी ऋण देने संबंधी व्यवस्था को भी अपने क्रिया कलाप में शामिल करना होगा ताकि यह वाणिज्य का व्यापक माध्यम बन सके। बुनियादी ढाँचा में फिटनेस को प्रोत्साहित करना होगा जिससे वित्त के क्षेत्र में नवाचार संभव हो। पेमेंट बैंकों का डिजिटल लेन-देन के साथ सुदृढ़ सह संबंध है। यह निर्माण हो रहे तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यू पी आई दिशा निर्देश के अंत: प्रचालनीयता इसे पूरी तरह सुरक्षित बनाता है।

निम्नलिखित में कौन प्रयोग में लाए गए तरीकों से भुगतानकर्ता बैंकों के विकास अपेक्षित है :

A. डिजिटल रूपये के साथ यू पी आई का एकीकरण
B. डिजिटल लें दें से पेमेंट बैंकों का विस्थापन
C. सीमा पार प्रेषण को यू पी आई सुविधा
D. स्पर्शरहित पेमेंट आधारभूत ढाँचा से सुरक्षित दूरी
E. रू-पे क्रेडिट कार्ड के माध्यम से उपभोक्ता को ऋण

1. केवल A, B, C
2. केवल C, D, E
3. केवल A, C, E
4. केवल B, D, E

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

145	908145		2.0	0.00

Interoperability guidelines for prepaid payment instruments with United Payments Interface (UPI) bolster the business case for digital wallets. For a loading fee on transactions through UPI, payments banks, for instance, can widen the adoption of wallets among customers and merchants. This increase use cases for UPI, which largely works on a model of free peer- to- peer-merchant transactions. The opportunity provided by the scorching growth of UPI transactions must, however, cross the hurdle of consumer behaviour that is shaped by zero fees for payments made from their bank accounts. For survival, payments banks - which can accept deposits but are prohibited from lending - need to be part of the UPI ecosystem. They also need to carve out a distinct business segment where they have an advantage over full-service banks.

Those use cases are expected to grow as UPI diversifies into cross- border remittances, introduces consumer lending through RuPay credit cards and offers currency exchange to foreign travelers, and bill payments using standing instructions gain traction. UPI will also have to integrate with the digital rupee that is undergoing tests for retail and wholesale transactions. The digital payments platform will continue to play a key role in the infrastructure that is being developed around contactless payments.

This involves building additional UPI context around digital transactions such as billing and credit- profiling. Initial adoption has surpassed the most optimistic expectations. But that is principally on account of the waiver of the merchant discount rate. In the next leg, UPI will grow by providing solutions for the conduct of business. It will have to incorporate lending at some point to become a comprehensive medium of commerce. The infrastructure must encourage fintechs to push innovation in finance. Payments banks have a strong correlation with the growth of digital transactions. They are vital piece of the machinery being built. The interoperability with UPI guidelines plugs them deeper.

Given below are two statements: One is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.

Assertion A: Payment banks - which can accept deposits but are prohibited from lending - need to be part of the UPI ecosystem.

Reason R: Loading fee on transactions through UPI, payment banks can widen the adoption of wallets among customers and merchants.

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:

1. Both A and R are true and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are true but R is not the correct explanation of A
3. A is true but R is not false
4. A is false but R is true

पूर्व दत्त भुगतान माध्यम के लिए यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यू पी आई) के साथ अंत: प्रचालित संबंधी मार्ग दर्शन डिजिटल वालेट को और अधिक व्यवहारिक बनाता है।यू पी आई के माध्यम से वर्धित शुल्क रहित लेन-देन भुगतान बैंक ग्राहकों और व्यापारियों के लिए वालेट की स्वीकार्यता में विस्तार कर सकता है। यह मुख्यत: यू पी आई की व्यवहार्यता परस्पर समान स्तर पर जो एक बैंक से दुसरे बैंक में मध्य लागत रहित भुगतान और बैंक से व्यापारी के मध्य लेन देन को बढ़ाता है। यू पी आई के माध्यम से तेजी बढ़ते हुए लेन देन के अवसर को ध्यान में रखकर ग्राहकों के व्यवहार जो उनके बैंक खातों से शून्य शुल्क से निर्धारित होता है। अपने अस्तित्व के लिए भुगतानकर्ता बैंक- जो जमा राशि स्वीकार कर सकता है परन्तु उन्हें ऋण देने की मनाही है- उन्हें यू पी आई इकोसिस्टम का हिस्सा बनाने की आवश्यकता है। उन्हें एक भिन्न व्यावसायिक इकाई बनने की आवश्यकता है जिसके अंतर्गत उन्हें पूर्ण सेवा बैंक का लाभ मिलता हो।

ऐसे प्रयोग से यू पी आई को विस्तार मिलेगा और इससे परस्पर देशों के सीमा पार से प्रेषित धन के तौर पर विविधीकरण होगा, ग्राहकों को रू-पे क्रेडिट कार्ड के माध्यम से विदेशी पर्यटकों को मुद्रा विनिमय द्वारा राशि दी जा सकेगी और स्थायी निर्देश का उपयोग कर बिलों के भुगतान में बृद्धि होगी। यू पी आई का डिजिटल रूपये के साथ एकीकृत होना होगा जिसका परीक्षण खुदरा एवं थोक लेन-देन के सन्दर्भ में चल रहा है। डिजिटल पेमेंट प्लेटफ़ार्म स्पर्श रहित पेमेंट्स के बुनियादी ढाँचे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता रहेगा।

इसमें डिजिटल लेन-देन जैसे बिलिंग और क्रेडिट प्रोफाइलिंग के लिए आतिरिक्त यू पी आई कांटेक्टलेस (संसर्ग रहित) सुबिधा शामिल है। आरंभिक अंगीकरण आशावादी अपेक्षाओं को पार कर गया। लेकिन सिद्धांतत: व्यापारी छूट दर में दी गई रियायतों के कारण हुआ है। अगले चरण में व्यापार करने के लिए यू पी आई समाधान देने का कार्य करेगा। इसे कभी न कभी ऋण देने संबंधी व्यवस्था को भी अपने क्रिया कलाप में शामिल करना होगा ताकि यह वाणिज्य का व्यापक माध्यम बन सके। बुनियादी ढाँचा में फिटनेस को प्रोत्साहित करना होगा जिससे वित्त के क्षेत्र में नवाचार संभव हो। पेमेंट बैंकों का डिजिटल लेन-देन के साथ सुदृढ़ सह संबंध है। यह निर्माण हो रहे तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यू पी आई दिशा निर्देश के अंत: प्रचालनीयता इसे पूरी तरह सुरक्षित बनाता है।

नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (Assertion A) के रुप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R)के रुप में

अभिकथन A: भुगतानकर्ता बैंक, जो जमा स्वीकार कर सकता है लेकिन ऋण नहीं दे सकता, को उसे यू पी आई इकोसिस्टम का हिस्सा बनाए जाने की आवश्यकता है।

कारण R: यू पी आई के माध्यम से लेन-देन पर वर्धित शुल्क भुगतानकर्ता बैंक ग्राहकों तथा व्यापारियों के बीच वालेट की स्वीकृति को बढ़ा सकता है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उतर का चयन कीजिए

1. A और R दोनों सहीं हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सहीं हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A असत्य है लेकिन R सत्य है
4. A सत्य है लेकिन R असत्य है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

146	908146		2.0	0.00

The proposed facility similar to the Applications Supported by Blocked Amount (ASBA) for secondary markets has elements to protect investors while increasing their potential earnings. The way it works now in the primary market is that money remains blocked in investor accounts, earning interest till issues of Initial Public Offerings (IPO) accept subscriptions. Replicating this for the secondary market is more complicated because of the number of parties, as well as the kinds of transactions, involved. Investors place a variety of orders over differing time horizons with or without leverage for multiple securities in the secondary market. Incorporating all these variables for a mechanism like ABSA involves escrow arrangements with counter parties in a dynamic environment.

The technical challenge may be considerable but not insurmountable. In this, the Securities and Exchange Board of India (Sebi) is on the right course in its effort to provide such a structure for investors. The Unified Payments Interface (UPI) allows money used for trading to be transferred directly to clearing corporations, which can then settle with brokers. This flushes out money idling with brokers, lowering risk of abuse and containing the fallout in case of broker default. This also offers a pathway for direct settlement, bypassing the pool accounts of intermediaries. Sebi has thus, acted on its regulatory remit of protecting investors' cash as well as their securities.

Sebi has offered relief to brokerages that stand to lose float income on account of upstreaming client money to clearing corporations. Brokerages have been allowed to upstream clients' funds in the form of fixed deposit lien or mutual fund units. This should keep intermediation fees low while the market regulator nudges the system to clear excess funds from the broker channel. Higher upfront brokerage fees are an improvement over those subsidised by float income, bettering systemic oversight. This could lead to concentration among brokerages discount players lose their advantage.

The money used for trading is allowed to be transferred directly to clearing corporation, through

1. Escrow Arrangement
2. Unified Payments Interface
3. E-banking
4. credit cards

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
द्वितीयक बाजारों में अप्लीकेशन सपोर्टेड बाई ब्लोक्ड अमाउंट (ए एस बी ए) जैसी प्रस्तावित सुबिधा में उनकी आय क्षमता को बढ़ाते हुए निवेशकों को सुरक्षित करने के तत्व पाए जाते हैं। मौजूदा समय में प्राथमिक बाजार में यह इस प्रकार कार्य करता है कि मुद्रा निवेशकों के खाते में निरुद्ध रहता है और अर्जित ब्याज पाता है जब तक आरम्भिक सार्वजनिक निर्गमन (आई पी ओ) के जारीकर्ता अभिदान स्वीकार करते हैं। द्वितीयक बाजारों के लिए इसको दोहराना (प्रतिकृति) इसमें शामिल पक्षों की संख्या के साथ-साथ संव्यवहार के प्रकारों के कारण अधिक जटिल है। द्वितीयक बाजार में विविध प्रत्याभूतियों के लिए उत्तोलन सहित उत्तोलन के बिना निवेशक विभिन्न कालावधियों में विभिन्न प्रकार के क्रमादेश देता है। ए एस बी ए जैसे तन्त्र के लिए इन सभी चरों का समावेश करते हुए अति सक्रिय वातावरण में प्रतिपक्षों के साथ एस्क्रो अरेंजमेंट शामिल है। तकनीकी चुनौतियाँ विचारणीय हो सकती हैं किन्तु अजेय नहीं हो सकती हैं। इस क्रम में भारतीय प्रत्याभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) निवेशकों के लिए ऐसा ढांचा प्रदान करने के प्रयास की सही दिशा में है। यूनीफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यू पी आई) व्यापार हेतु प्रयुक्त मुद्रा को सीधे तौर पर समाशोधन निगमों को हस्तांतरित करने की अनुमति प्रदान करता है, जिसका दलालों के साथ समाधान किया जा सकता है। यह ब्रोकर डिफाल्ट के मामले में, दलालों के साथ व्यर्थ मुद्रा प्रवाह व धन के दुरुपयोग को कम करता है तथा गिरावट को रोकता है। मध्यवर्तियों के सामूहिक खातों से बचाते हुए सीधे तौर पर समाधान का मार्ग भी प्रस्तावित करता है। सेबी ने निवेशकों के रोकड़ के साथ-साथ उनकी प्रत्याभूतियों की सुरक्षा के नियामक के रूप में कार्य किया है।

सेबी ने दलालो को राहत प्रदान की है जो समाशोधन निगमों (क्लियरिंग कार्पोरेशन) के लिए ग्राहक की मुद्रा की धारा प्रतिकूलता के कारण फ्लोट आय खोने की कगार पर खड़े हैं। आवधिक जमा धारणाधिकार या म्यूचुअल फंड इकाई के स्वरूप में धारा प्रतिकूल ग्राहक फंडों निवेशे के लिए दलालों को अधिकृत किया गया है। इसके लिए मध्यस्थता शुल्क कम रखना चाहिए जबकि बाजार नियामक ब्रोकर चैनल के माध्यम से निधि समाशोधन के लिए प्रणाली को सचेत कर देता है। प्रणालीगत भूल-चूक ठीक करने के लिए फ्लोट आय द्वारा जिसे सहायता प्राप्त है उनके संबंध उच्च दलाली शुल्क का अधिरोपण एक प्रकार का सुधार है।इससे छूट प्रदान करें वालों के रूप में प्रचलित दलाली के लाभों को समाप्त करने पर संकेंद्रित किया जा सकता है।

व्यापार हेतु मुद्रा का हस्तांतरण सीधे तौर पर समाशोधन निगम (क्लियरिंग कार्पोरेशन) को निम्नलिखित द्वारा करने की अनुमति होती है -

1. एस्क्रो अरैंजमेंट
2. यूनीफाइड पेमेंट्स इंटरफेस
3. E- बैंकिंग
4. क्रेडिट कार्ड

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

147	908147		2.0	0.00

The proposed facility similar to the Applications Supported by Blocked Amount (ASBA) for secondary markets has elements to protect investors while increasing their potential earnings. The way it works now in the primary market is that money remains blocked in investor accounts, earning interest till issues of Initial Public Offerings (IPO) accept subscriptions. Replicating this for the secondary market is more complicated because of the number of parties, as well as the kinds of transactions, involved. Investors place a variety of orders over differing time horizons with or without leverage for multiple securities in the secondary market. Incorporating all these variables for a mechanism like ABSA involves escrow arrangements with counter parties in a dynamic environment.

The technical challenge may be considerable but not insurmountable. In this, the Securities and Exchange Board of India (Sebi) is on the right course in its effort to provide such a structure for investors. The Unified Payments Interface (UPI) allows money used for trading to be transferred directly to clearing corporations, which can then settle with brokers. This flushes out money idling with brokers, lowering risk of abuse and containing the fallout in case of broker default. This also offers a pathway for direct settlement, bypassing the pool accounts of intermediaries. Sebi has thus, acted on its regulatory remit of protecting investors' cash as well as their securities.

Sebi has offered relief to brokerages that stand to lose float income on account of upstreaming client money to clearing corporations. Brokerages have been allowed to upstream clients' funds in the form of fixed deposit lien or mutual fund units. This should keep intermediation fees low while the market regulator nudges the system to clear excess funds from the broker channel. Higher upfront brokerage fees are an improvement over those subsidised by float income, bettering systemic oversight. This could lead to concentration among brokerages discount players lose their advantage.

The Application Supported by Blocked Amount (ASBA) used in the passage refers to which market.

1. Primary Market
2. Secondary Market
3. Money Market
4. Forex Market

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
द्वितीयक बाजारों में अप्लीकेशन सपोर्टेड बाई ब्लोक्ड अमाउंट (ए एस बी ए) जैसी प्रस्तावित सुबिधा में उनकी आय क्षमता को बढ़ाते हुए निवेशकों को सुरक्षित करने के तत्व पाए जाते हैं। मौजूदा समय में प्राथमिक बाजार में यह इस प्रकार कार्य करता है कि मुद्रा निवेशकों के खाते में निरुद्ध रहता है और अर्जित ब्याज पाता है जब तक आरम्भिक सार्वजनिक निर्गमन (आई पी ओ) के जारीकर्ता अभिदान स्वीकार करते हैं। द्वितीयक बाजारों के लिए इसको दोहराना (प्रतिकृति) इसमें शामिल पक्षों की संख्या के साथ-साथ संव्यवहार के प्रकारों के कारण अधिक जटिल है। द्वितीयक बाजार में विविध प्रत्याभूतियों के लिए उत्तोलन सहित उत्तोलन के बिना निवेशक विभिन्न कालावधियों में विभिन्न प्रकार के क्रमादेश देता है। ए एस बी ए जैसे तन्त्र के लिए इन सभी चरों का समावेश करते हुए अति सक्रिय वातावरण में प्रतिपक्षों के साथ एस्क्रो अरेंजमेंट शामिल है। तकनीकी चुनौतियाँ विचारणीय हो सकती हैं किन्तु अजेय नहीं हो सकती हैं। इस क्रम में भारतीय प्रत्याभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) निवेशकों के लिए ऐसा ढांचा प्रदान करने के प्रयास की सही दिशा में है। यूनीफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यू पी आई) व्यापार हेतु प्रयुक्त मुद्रा को सीधे तौर पर समाशोधन निगमों को हस्तांतरित करने की अनुमति प्रदान करता है, जिसका दलालों के साथ समाधान किया जा सकता है। यह ब्रोकर डिफाल्ट के मामले में, दलालों के साथ व्यर्थ मुद्रा प्रवाह व धन के दुरुपयोग को कम करता है तथा गिरावट को रोकता है। मध्यवार्तियों के सामूहिक खातों से बचाते हुए सीधे तौर पर समाधान का मार्ग भी प्रस्तावित करता है। सेबी ने निवेशकों के रोकड़ के साथ-साथ उनकी प्रत्याभूतियों की सुरक्षा के नियामक के रूप में कार्य किया है।

सेबी ने दलालो को राहत प्रदान की है जो समाशोधन निगमों (क्लियरिंग कार्पोरेशन) के लिए ग्राहक की मुद्रा की धारा प्रतिकूलता के कारण फ्लोट आय खोने की कगार पर खड़े हैं। आवधिक जमा धारणाधिकार या म्यूचुअल फंड इकाई के स्वरूप में धारा प्रतिकूल ग्राहक फंडों निवेशे के लिए दलालों को अधिकृत किया गया है। इसके लिए मध्यस्थता शुल्क कम रखना चाहिए जबकि बाजार नियामक ब्रोकर चैनल के माध्यम से निधि समाशोधन के लिए प्रणाली को सचेत कर देता है। प्रणालीगत भूल-चूक ठीक करने के लिए फ्लोट आय द्वारा जिसे सहायता प्राप्त है उनके संबंध उच्च दलाली शुल्क का अधिरोपण एक प्रकार का सुधार है।इससे छूट प्रदान करें वालों के रूप में प्रचलित दलाली के लाभों को समाप्त करने पर संकेंद्रित किया जा सकता है।

गद्यांश में प्रयुक्त अप्लीकेशन सपोर्टेड बाई ब्लॉक्ड अमाउंट (ए एस बी ए) किस बाजार से संबंधित है?

1. प्राथमिक बाजार
2. द्वितीयक बाजार
3. मुद्रा बाजार
4. फारेक्स बाजार

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

148	908148		2.0	0.00

The proposed facility similar to the Applications Supported by Blocked Amount (ASBA) for secondary markets has elements to protect investors while increasing their potential earnings. The way it works now in the primary market is that money remains blocked in investor accounts, earning interest till issues of Initial Public Offerings (IPO) accept subscriptions. Replicating this for the secondary market is more complicated because of the number of parties, as well as the kinds of transactions, involved. Investors place a variety of orders over differing time horizons with or without leverage for multiple securities in the secondary market. Incorporating all these variables for a mechanism like ABSA involves escrow arrangements with counter parties in a dynamic environment.

The technical challenge may be considerable but not insurmountable. In this, the Securities and Exchange Board of India (Sebi) is on the right course in its effort to provide such a structure for investors. The Unified Payments Interface (UPI) allows money used for trading to be transferred directly to clearing corporations, which can then settle with brokers. This flushes out money idling with brokers, lowering risk of abuse and containing the fallout in case of broker default. This also offers a pathway for direct settlement, bypassing the pool accounts of intermediaries, Sebi has thus, acted on its regulatory remit of protecting investors' cash as well as their securities.

Sebi has offered relief to brokerages that stand to lose float income on account of upstreaming client money to clearing corporations. Brokerages have been allowed to upstream clients' funds in the form of fixed deposit lien or mutual fund units. This should keep intermediation fees low while the market regulator nudges the system to clear excess funds from the broker channel. Higher upfront brokerage fees are an improvement over those subsidised by float income, bettering systemic oversight. This could lead to concentration among brokerages discount players lose their advantage.

The SEBI has acted on its regulatory remit of protecting investors cash and _____.

1. Securities
2. Dividend Income
3. Grievances of payment
4. Public Deposits

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
द्वितीयक बाजारों में अप्लीकेशन सपोर्टेड बाई ब्लोक्ड अमाउंट (ए एस बी ए) जैसी प्रस्तावित सुबिधा में उनकी आय क्षमता को बढ़ाते हुए निवेशकों को सुरक्षित करने के तत्व पाए जाते हैं। मौजूदा समय में प्राथमिक बाजार में यह इस प्रकार कार्य करता है कि मुद्रा निवेशकों के खाते में निरुद्ध रहता है और अर्जित ब्याज पाता है जब तक आरम्भिक सार्वजनिक निर्गमन (आई पी ओ) के जारीकर्ता अभिदान स्वीकार करते हैं। द्वितीयक बाजारों के लिए इसको दोहराना (प्रतिकृति) इसमें शामिल पक्षों की संख्या के साथ-साथ संव्यवहार के प्रकारों के कारण अधिक जटिल है। द्वितीयक बाजार में विविध प्रत्याभूतियों के लिए उत्तोलन सहित उत्तोलन के बिना निवेशक विभिन्न कालावधियों में विभिन्न प्रकार के क्रमादेश देता है। ए एस बी ए जैसे तन्त्र के लिए इन सभी चरों का समावेश करते हुए अति सक्रिय वातावरण में प्रतिपक्षों के साथ एस्क्रो अरेंजमेंट शामिल है। तकनीकी चुनौतियाँ विचारणीय हो सकती हैं किन्तु अजेय नहीं हो सकती हैं। इस क्रम में भारतीय प्रत्याभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) निवेशकों के लिए ऐसा ढांचा प्रदान करने के प्रयास की सही दिशा में है। यूनीफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यू पी आई) व्यापार हेतु प्रयुक्त मुद्रा को सीधे तौर पर समाशोधन निगमों को हस्तांतरित करने की अनुमति प्रदान करता है, जिसका दलालों के साथ समाधान किया जा सकता है। यह ब्रोकर डिफाल्ट के मामले में, दलालों के साथ व्यर्थ मुद्रा प्रवाह व धन के दुरुपयोग को कम करता है तथा गिरावट को रोकता है। मध्यवर्तियों के सामूहिक खातों से बचाते हुए सीधे तौर पर समाधान का मार्ग भी प्रस्तावित करता है। सेबी ने निवेशकों के रोकड़ के साथ-साथ उनकी प्रत्याभूतियों की सुरक्षा के नियामक के रूप में कार्य किया है।

सेबी ने दलालो को राहत प्रदान की है जो समाशोधन निगमों (क्लियरिंग कार्पोरेशन) के लिए ग्राहक की मुद्रा की धारा प्रतिकूलता के कारण फ्लोट आय खोने की कगार पर खड़े हैं। आवधिक जमा धारणाधिकार या म्यूचुअल फंड इकाई के स्वरूप में धारा प्रतिकूल ग्राहक फंडों निवेशे के लिए दलालों को अधिकृत किया गया है। इसके लिए मध्यस्थता शुल्क कम रखना चाहिए जबकि बाजार नियामक ब्रोकर चैनल के माध्यम से निधि समाशोधन के लिए प्रणाली को सचेत कर देता है। प्रणालीगत भूल-चूक ठीक करने के लिए फ्लोट आय द्वारा जिसे सहायता प्राप्त है उनके संबंध उच्च दलाली शुल्क का अधिरोपण एक प्रकार का सुधार है।इससे छूट प्रदान करें वालों के रूप में प्रचलित दलाली के लाभों को समाप्त करने पर संकेंद्रित किया जा सकता है।

सेबी ने निवेशकों को रोकड़ एवं _____ के संरक्षण के लिए नियामक के रूप में कार्य किया है:

1. प्रत्याभूतियों
2. लाभांश आय
3. संदाय संबंधी शिकायतें
4. सार्वजनिक जमा

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

149	908149		2.0	0.00

The proposed facility similar to the Applications Supported by Blocked Amount (ASBA) for secondary markets has elements to protect investors while increasing their potential earnings. The way it works now in the primary market is that money remains blocked in investor accounts, earning interest till issues of Initial Public Offerings (IPO) accept subscriptions. Replicating this for the secondary market is more complicated because of the number of parties, as well as the kinds of transactions, involved. Investors place a variety of orders over differing time horizons with or without leverage for multiple securities in the secondary market. Incorporating all these variables for a mechanism like ABSA involves escrow arrangements with counter parties in a dynamic environment.

The technical challenge may be considerable but not insurmountable. In this, the Securities and Exchange Board of India (Sebi) is on the right course in its effort to provide such a structure for investors. The Unified Payments Interface (UPI) allows money used for trading to be transferred directly to clearing corporations, which can then settle with brokers. This flushes out money idling with brokers, lowering risk of abuse and containing the fallout in case of broker default. This also offers a pathway for direct settlement, bypassing the pool accounts of intermediaries. Sebi has thus, acted on its regulatory remit of protecting investors' cash as well as their securities.

Sebi has offered relief to brokerages that stand to lose float income on account of upstreaming client money to clearing corporations. Brokerages have been allowed to upstream clients' funds in the form of fixed deposit lien or mutual fund units. This should keep intermediation fees low while the market regulator nudges the system to clear excess funds from the broker channel. Higher upfront brokerage fees are an improvement over those subsidised by float income, bettering systemic oversight. This could lead to concentration among brokerages discount players lose their advantage.

Given below are two statements: One is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R -

Assertion A : SEBI has offered relief to brokerages that stand to lose float income on account of upstreaming client money to clearing corporations.

Reason R: Brokerage have been allowed to upstream clients' fund in the form of fixed deposit lien or mutual fund units.

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below

1. Both A and R are true and R is the correct explanation of A
2. Both A and R are true but R is not the correct explanation of A
3. A is true but R is false
4. A is false but R is true

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
द्वितीयक बाजारों में अप्लीकेशन सपोर्टेड बाई ब्लोक्ड अमाउंट (ए एस बी ए) जैसी प्रस्तावित सुबिधा में उनकी आय क्षमता को बढ़ाते हुए निवेशकों को सुरक्षित करने के तत्व पाए जाते हैं। मौजूदा समय में प्राथमिक बाजार में यह इस प्रकार कार्य करता है कि मुद्रा निवेशकों के खाते में निरुद्ध रहता है और अर्जित ब्याज पाता है जब तक आरम्भिक सार्वजनिक निर्गमन (आई पी ओ) के जारीकर्ता अभिदान स्वीकार करते हैं। द्वितीयक बाजारों के लिए इसको दोहराना (प्रतिकृति) इसमें शामिल पक्षों की संख्या के साथ-साथ संव्यवहार के प्रकारों के कारण अधिक जटिल है। द्वितीयक बाजार में विविध प्रत्याभूतियों के लिए उत्तोलन सहित उत्तोलन के बिना निवेशक विभिन्न कालावधियों में विभिन्न प्रकार के क्रमादेश देता है। ए एस बी ए जैसे तन्त्र के लिए इन सभी चरों का समावेश करते हुए अति सक्रिय वातावरण में प्रतिपक्षों के साथ एस्क्रो अरेंजमेंट शामिल है। तकनीकी चुनौतियाँ विचारणीय हो सकती हैं किन्तु अजेय नहीं हो सकती हैं। इस क्रम में भारतीय प्रत्याभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) निवेशकों के लिए ऐसा ढांचा प्रदान करने के प्रयास की सही दिशा में है। यूनीफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यू पी आई) व्यापार हेतु प्रयुक्त मुद्रा को सीधे तौर पर समाशोधन निगमों को हस्तांतरित करने की अनुमति प्रदान करता है, जिसका दलालों के साथ समाधान किया जा सकता है। यह ब्रोकर डिफाल्ट के मामले में, दलालों के साथ व्यर्थ मुद्रा प्रवाह व धन के दुरुपयोग को कम करता है तथा गिरावट को रोकता है। मध्यवर्तियों के सामूहिक खातों से बचाते हुए सीधे तौर पर समाधान का मार्ग भी प्रस्तावित करता है। सेबी ने निवेशकों के रोकड़ के साथ-साथ उनकी प्रत्याभूतियों की सुरक्षा के नियामक के रूप में कार्य किया है।

सेबी ने दलालो को राहत प्रदान की है जो समाशोधन निगमों (क्लियरिंग कार्पोरेशन) के लिए ग्राहक की मुद्रा की धारा प्रतिकूलता के कारण फ्लोट आय खोने की कगार पर खड़े हैं। आवधिक जमा धारणाधिकार या म्यूचुअल फंड इकाई के स्वरूप में धारा प्रतिकूल ग्राहक फंडों निवेशे के लिए दलालों को अधिकृत किया गया है। इसके लिए मध्यस्थता शुल्क कम रखना चाहिए जबकि बाजार नियामक ब्रोकर चैनल के माध्यम से निधि समाशोधन के लिए प्रणाली को सचेत कर देता है। प्रणालीगत भूल-चूक ठीक करने के लिए फ्लोट आय द्वारा जिसे सहायता प्राप्त है उनके संबंध उच्च दलाली शुल्क का अधिरोपण एक प्रकार का सुधार है।इससे छूट प्रदान करें वालों के रूप में प्रचलित दलाली के लाभों को समाप्त करने पर संकेंद्रित किया जा सकता है।

नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (Assertion A) के रुप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R)के रुप में

अभिकथन A: सेबी (एस ई बी आई) ने ऐसे ब्रोकरेज (दलाली) को राहत दिया है जो ग्राहक मुद्रा से समाशोधन नियमन के प्रतिकूल प्रवाह वाले लेखा पर फ्लोट (प्रवर्तन) आय खोने की स्थिति में हैं।

कारण R: ब्रोकरेज (दलाली) को आवधिक जमा प्रतिधारण या म्यूचुअल फंड इकाइयों के रूप में ग्राहक की निधि को धारा प्रतिकूल करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उतर का चयन कीजिए

1. A और R दोनों सहीं हैं और R, A की सही व्याख्या है
2. A और R दोनों सहीं हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं है
3. A सत्य है लेकिन R असत्य है
4. A असत्य है लेकिन R सत्य है

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4

Objective Question

150	908150		2.0	0.00

The proposed facility similar to the Applications Supported by Blocked Amount (ASBA) for secondary markets has elements to protect investors while increasing their potential earnings. The way it works now in the primary market is that money remains blocked in investor accounts, earning interest till issues of Initial Public Offerings (IPO) accept subscriptions. Replicating this for the secondary market is more complicated because of the number of parties, as well as the kinds of transactions, involved. Investors place a variety of orders over differing time horizons with or without leverage for multiple securities in the secondary market. Incorporating all these variables for a mechanism like ABSA involves escrow arrangements with counter parties in a dynamic environment.

The technical challenge may be considerable but not insurmountable. In this, the Securities and Exchange Board of India (Sebi) is on the right course in its effort to provide such a structure for investors. The Unified Payments Interface (UPI) allows money used for trading to be transferred directly to clearing corporations, which can then settle with brokers. This flushes out money idling with brokers, lowering risk of abuse and containing the fallout in case of broker default. This also offers a pathway for direct settlement, bypassing the pool accounts of intermediaries. Sebi has thus, acted on its regulatory remit of protecting investors' cash as well as their securities.

Sebi has offered relief to brokerages that stand to lose float income on account of upstreaming client money to clearing corporations. Brokerages have been allowed to upstream clients' funds in the form of fixed deposit lien or mutual fund units. This should keep intermediation fees low while the market regulator nudges the system to clear excess funds from the broker channel. Higher upfront brokerage fees are an improvement over those subsidised by float income, bettering systemic oversight. This could lead to concentration among brokerages discount players lose their advantage.

Which are reasons that make replication of ASBA for the secondary market complicated:

A. Kinds of transactions
B. Presence of large number of brokers
C. Applicability of SEBI guideline
D. Number of Parties
E. Differing time horizon

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. C, D and E only
2. A, B and C only
3. A and D only
4. B and C only

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
द्वितीयक बाजारों में अप्लीकेशन सपोर्टेड बाई ब्लोक्ड अमाउंट (ए एस बी ए) जैसी प्रस्तावित सुबिधा में उनकी आय क्षमता को बढ़ाते हुए निवेशकों को सुरक्षित करने के तत्व पाए जाते हैं। मौजूदा समय में प्राथमिक बाजार में यह इस प्रकार कार्य करता है कि मुद्रा निवेशकों के खाते में निरुद्ध रहता है और अर्जित ब्याज पाता है जब तक आरम्भिक सार्वजनिक निर्गमन (आई पी ओ) के जारीकर्ता अभिदान स्वीकार करते हैं। द्वितीयक बाजारों के लिए इसको दोहराना (प्रतिकृति) इसमें शामिल पक्षों की संख्या के साथ-साथ संव्यवहार के प्रकारों के कारण अधिक जटिल है। द्वितीयक बाजार में विविध प्रत्याभूतियों के लिए उत्तोलन सहित उत्तोलन के बिना निवेशक विभिन्न कालावधियों में विभिन्न प्रकार के क्रमादेश देता है। ए एस बी ए जैसे तन्त्र के लिए इन सभी चरों का समावेश करते हुए अति सक्रिय वातावरण में प्रतिपक्षों के साथ एस्क्रो अरेंजमेंट शामिल है। तकनीकी चुनौतियाँ विचारणीय हो सकती हैं किन्तु अजेय नहीं हो सकती हैं। इस क्रम में भारतीय प्रत्याभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) निवेशकों के लिए ऐसा ढांचा प्रदान करने के प्रयास की सही दिशा में है। यूनीफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यू पी आई) व्यापार हेतु प्रयुक्त मुद्रा को सीधे तौर पर समाशोधन निगमों को हस्तांतरित करने की अनुमति प्रदान करता है, जिसका दलालों के साथ समाधान किया जा सकता है। यह ब्रोकर डिफाल्ट के मामले में, दलालों के साथ व्यर्थ मुद्रा प्रवाह व धन के दुरुपयोग को कम करता है तथा गिरावट को रोकता है। मध्यवर्तियों के सामूहिक खातों से बचाते हुए सीधे तौर पर समाधान का मार्ग भी प्रस्तावित करता है। सेबी ने निवेशकों के रोकड़ के साथ-साथ उनकी प्रत्याभूतियों की सुरक्षा के नियामक के रूप में कार्य किया है।

सेबी ने दलालो को राहत प्रदान की है जो समाशोधन निगमों (क्लियरिंग कार्पोरेशन) के लिए ग्राहक की मुद्रा की धारा प्रतिकूलता के कारण फ्लोट आय खोने की कगार पर खड़े हैं। आवधिक जमा धारणाधिकार या म्यूचुअल फंड इकाई के स्वरूप में धारा प्रतिकूल ग्राहक फंडों निवेशे के लिए दलालों को अधिकृत किया गया है। इसके लिए मध्यस्थता शुल्क कम रखना चाहिए जबकि बाजार नियामक ब्रोकर चैनल के माध्यम से निधि समाशोधन के लिए प्रणाली को सचेत कर देता है। प्रणालीगत भूल-चूक ठीक करने के लिए फ्लोट आय द्वारा जिसे सहायता प्राप्त है उनके संबंध उच्च दलाली शुल्क का अधिरोपण एक प्रकार का सुधार है।इससे छूट प्रदान करें वालों के रूप में प्रचलित दलाली के लाभों को समाप्त करने पर संकेंद्रित किया जा सकता है।

द्वितीयक जटिल बाजार हेतु ए बी एस ए की अनुकृति बनाने के कारण कौन-कौन से हैं?

A. लेन-देन के प्रकार
B. ब्रोकरों की अधिक संख्या में उपस्थिति
C. सेबी (एस ई बी आई) मार्गदर्शिका की अप्रयुक्तता
D. पक्षकारों के संख्या
E. कालावधि में भिन्नता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उतर का चयन कीजिए :

1. केवल C, D, E
2. केवल A, B, C
3. केवल A, D
4. केवल B, C

A1 : 1

1

A2 : 2

2

A3 : 3

3

A4 : 4

4